रीवा
15 अप्रैल 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मोदी बोले:2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे:सड़कें, हाईवे, एयरवे, रेलवे, वॉटर-वे मोदी की गारंटी

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

देहरादून, एजेंसी। पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र जीवन से जोड़कर देखूं तो राष्ट्र की भाग्य रेखाएं कौन सी हैं, तो वे हमारी सड़कें, हाईवे, एयरवे, रेलवे वॉटर-वे हैं। ये आज की सुविधाएं नहीं हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए हमारी, मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।

● **सहारनपुर में रोड शो, डाट काली मंदिर में पूजा की:** पीएम ने देहरादून में डाट काली मंदिर से ग्राउंड तक 16द्मद्व लंबा रोड शो किया। इससे पहले वे सुबह 11 बजे देहरादून पहुंचे और यहां से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर गए। वहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद उन्होंने एक्सप्रेसवे पर बने एशिया के सबसे लंबे 12 एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया, जो देहरादून से सहारनपुर के बीच बनाया गया है।दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

भाजपा का तमिलनाडु के लिए घोषणापत्र जारी

महिलाओं को हर महीने 2,000 और सालाना 3 एलपीजी सिलेंडर फ्री का वादा

नई दिल्ली/ कोलकाता/चेन्नई ,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को चेन्नई में भाजपा का तमिलनाडु चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए और सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है। इसके साथ ही हर परिवार को 10,000 रुपए देने का वादा किया है।घोषणा-पत्र में पात्र महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपए की सब्सिडी, जल्लीकट्टू के सांडों का पालन-पोषण करने वालों को 2,000 रुपए की मासिक सहायता देने का भी ऐलान किया है। राहुल गांधी मंगलवार को पश्चिम बंगाल के रायगंज पहुंचे। रैली में उन्होंने कहा कि RSS और BJP वोट चोरी में शामिल हैं और लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं। इनकी नफरत भरी सोच संविधान को खत्म कर रही है।इसके बाद राहुल मुर्शिदाबाद के समसेरगंज और मालदा जिले के चंचल में रैलियां करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम को तमिलनाडु में कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करेंगे।इधर, कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों के लिए चुनाव आयोग ने बंगाल के वोटरों के लिए 24×7 हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा शुरू की है। आयोग ने बताया कि टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003450008 और wbfree-andfairpolls@gmail.com पर ईमेल के जरिए लोग अपनी शिकायतें भेज सकते हैं। यह दोनों सुविधाएं 4 मई तक जारी रहेंगी।

कांग्रेस ने अंबेडकर को विशेष सम्मान से वंचित रखा: नितिन नवीन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसकी सरकारों ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का सदैव अपमान किया और उन्हें विशेष सम्मान से भी वंचित रखा।

नितिन नवीन ने यहां पार्टी मुख्यालय में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। नितिन नवीन ने कहा, 'आजादी के 60 वर्षों तक एक विशेष परिवार के अलावा किसी और को सम्मान नहीं देने की मानसिकता रही। संविधान के शिल्पी को दशकों तक उचित सम्मान नहीं दिया गया। पंडित नेहरू ने 1952 और 1954 के चुनाव में बाबासाहेब को हराने और अपमानित करने का प्रयास किया। यहां तक कि मतदाता सूची के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें रोकने की कोशिश की गई। '

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'नेहरू-गांधी परिवार ने स्वयं को तो भारत रत्न दिया लेकिन बाबासाहेब को इस सम्मान से वंचित रखा, लेकिन मैं मानता हूं उस युग के बाद जब वाजपेयी सरकार आई तब उन्होंने डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न देने का काम किया। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने न केवल इस वैचारिक विरासत को आगे बढ़ाया बल्कि 'पंचतीर्थ' की स्थापना कर उनके जीवन दर्शन को वैश्विक पहचान दी। वर्तमान सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांचों मुख्य स्थानों को राष्ट्रीय गौरव का केंद्र बनाकर उनके अनुयायियों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

सत्ता पर 'सामंती व जातिवादी सोच हावी होने के कारण संविधान अपने उद्देश्य प्राप्त करने में रहा असफल : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज सुबह लखनऊ स्थित बसपा केंद्रीय कैंप कार्यालय में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि करके उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सत्ता में 'सामंती और जातिवादी' सोच एवं शोषणकारी तत्वों के लगातार हावी रहने के कारण बाबा साहेब का सर्वजन हितैषी संविधान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पा रहा है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि समस्या के निदान के लिए देश व राज्यों में भी बाबा साहेब की 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' नीति व सिद्धांत वाली उनकी पार्टी बसपा की सरकार बनना जरूरी है। मायावती ने कहा कि देश में ऐसा संविधान होने के बावजूद भारत अभी तक आत्मनिर्भर व विकसित देश बनकर यहां के करोड़ों बहुजनों, जातिवादी द्वेष व जुल्म ज्यादती से मुक्त, समता और न्याय युक्त जीवन क्यों नहीं दे पाया। इसक जवाब ढूंढने पर देश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' का कारवां चुनावी सफलता हासिल करके अपनी मंजिल की ओर जरूर बढ़ेगा।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

पटना, एजेंसी। सम्राट चौधरी बिहार के नए CM होंगे। उन्हें बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। NDA की बैठक के बाद इसकी ऑपचारिक घोषणा हो जाएगी। आज 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा।

इस्तीफे के बाद उन्होंने X पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। उनके साथ सम्राट चौधरी और बीजेपी के कई सीनियर लीडर्स भी थे।

नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगाः नीतीश कुमारः आप जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को राज्य में पहली बार NDA सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं। सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो- सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी बहुत काम किया गया है। इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच सालों यानि 2025 से 2030 के लिए 7 निश्चय-3 का गठन किया गया है।

पेट्रोल 18 और डीजल 35 महंगा हो सकता है

बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम, तेल कंपनियां नुकसान में

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती है।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां:कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

भारत 88% कच्चा तेल आयात करता है:भारत अपनी जरूरत का लगभग 88% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45% मिडिल ईस्ट और 35% रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे (CAD) के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

ईरान बोला:अमेरिका बातचीत नहीं, शर्तें थोपना चाहता है:उनकी नीयत पर शक

पीस डील पर गुरुवार को दोनों देशों की मीटिंग संभव

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर बातचीत के बजाय शर्तें थोपने का आरोप लगाया है। भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि अमेरिका की मंशा शुरू से ही संदिग्ध रही है। अयोध्या में दिए बयान में इलाही ने कहा कि अमेरिका बातचीत नहीं करना चाहता, बल्कि दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ वहां नाकाबंदी कर रहा है। इलाही ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और शांति का समर्थन करता है, लेकिन अमेरिका का रवैया इसके विपरीत है। दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच पीस डील को लेकर गुरुवार तक दूसरी बैठक होने की संभावना है।क्ककी रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश आमने-सामने बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि बढ़ते तनाव को खत्म किया जा सके।बैठक के लिए इस्लामाबाद और जेनेवा संभावित स्थान हैं, हालांकि तारीख और जगह पर अंतिम फैसला होना बाकी है। इससे पहले इस्लामाबाद में हुई पहली बैठक 11 अप्रैल को बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी।

नोएडा में दूसरे दिन भी बवाल पुलिस से झड़प, पथराव

15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे; राहुल बोले- ये श्रमिकों की आखिरी चीख

गौतमबुद्धनगर (नोएडा), एजेंसी। नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया।फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और RAF की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं।

DGP राजीव कृष्ण लखनऊ के कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे। कहा- क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी।

योगी बोले- नोएडा में फिल्म सिटी बन रही है

सहारनपुर के युवक को बाहर नहीं जाना होगा; बांटने वाले विकास नहीं कर सकते

सहारनपुर, एजेंसी। सीएम योगी ने मंगलवार को सहारनपुर में कहा- यहां से दिल्ली हो या देहरादून, अब यात्रा सिर्फ ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। यह कॉरिडोर पश्चिमी यूपी के लिए 'गुड वर्क' साबित होगा। शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ और बागपत जैसे पश्चिमी यूपी के जिलों में बनने वाले उत्पादों को नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा- बाबा साहेब की आज 135वीं जयंती है। उन्होंने संविधान के जरिए देश के हर नागरिक सामान अधिकार दिया। हमारी सरकार बाबा साहेब, रविदास दासजी महाराज, महर्षि बाल्मिकी जैसे महापुरुषों के मूर्तियों पर छत्र लगवाएगी। आज यूपी रोजगार, सुरक्षा और इन्वेस्टमेंट का एक नया केंद्र बनकर उभरा है। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है।

योगी ने कहा- अब सहारनपुर में विश्वविद्यालय मां शांकभरी देवी के नाम से बन गया है। अगर सहारनपुर के किसी युवक को फिल्म में काम करना हो तो उसके लिए नोएडा में फिल्म सिटी बन रही है।

राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41डिग्री के पार

म.प्र.-गुजरात और यूपी में 40डिग्री तापमान, कल से लू चलने की चेतावनी; केदारनाथ में बर्फबारी से रास्ते बंद

नई दिल्ली/भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ, एजेंसी। देश के उत्तर, मध्य और पश्चिमी राज्यों में तापमान बढ़ने लगा है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश में पारा 40डिग्री के पार पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41डिग्री के पार पहुंच गया है। म.प्र .के रतलाम में भी तापमान 41डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो हफ्तों तक कोई नया सिस्टम एक्टिव नहीं होगा। इससे गर्मी तेजी से बढ़ेगी। हालांकि पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह, उत्तराखंड के केदारनाथ और सिक्किम के लाचेन में बर्फबारी से बंद हुए रास्ते खोलने काम चल रहा है।

नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सशक्त नारी, सशक्त देश

राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा
(10 -25 अप्रैल 2026)

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D11006/26

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

मझौली महाविद्यालय में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' पर व्याख्यान, महिलाओं की भागीदारी पर जोर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया ऐतिहासिक कदम 7 समावेशी विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मझौली में 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के अंतर्गत एक प्रेरक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशन तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना एवं समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। आयोजन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति रही जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और ज्ञानवर्धक बना। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत कुसमी की अध्यक्ष श्यामवती सिंह रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को भारतीय लोकतंत्र का एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह महिलाओं को राजनीति में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाएं निर्णय प्रक्रिया में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी जिससे समाज में संतुलित एवं समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति नारी शक्ति के बिना संभव नहीं है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने अपने उद्बोधन में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि नारी शक्ति का योगदान सदैव राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण रहा है उन्होंने कहा कि शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता के माध्यम से महिलाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना ही सच्चे अर्थों में विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। व्याख्यान के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई जिसमें महिलाओं के अधिकार उनकी सामाजिक स्थिति तथा राजनीतिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार शर्मा द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया, जबकि अंत में प्रोफेसर रागिनी तिवारी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि विद्यार्थियों में जागरूकता एवं प्रेरणा का संचार करने में भी सफल सिद्ध हुआ।

अंबेडकर जयंती पर जनप्रतिनिधियों ने किया माल्यार्पण: शोभायात्रा में दिखी सामाजिक समरसता

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया बैढ़न जिला मुख्यालय स्थित सामुदायिक भवन में मुख्य कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, नगर निगम महापौर, निगम अध्यक्ष सहित सैकड़ों लोग और हितग्राही मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब के विचारों और संविधान निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों से एक शोभायात्रा बैढ़न पहुंची। यह शोभायात्रा महाजन चौक, कॉलेज तिराहा, यातायात तिराहा और मस्जिद तिराहा से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंची। अंबेडकर चौक पर उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोभायात्रा के दौरान बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्टॉल लगाए। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए गुड़ और पानी की व्यवस्था की, जिससे सामाजिक समरसता का संदेश भी प्रदर्शित हुआ। विधायक रामनिवास शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को समानता और न्याय का मार्ग दिखाया, जिसे अपनाना आज भी आवश्यक है। आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम ने कहा कि अंबेडकर के विचार समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और उनके आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने सामाजिक एकता और संविधान के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

अंबेडकर जयंती पर ग्राम पडरा में अंत्योदय शिविर, योजनाओं से लाभान्वित हुए सैकड़ों हितग्राही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिले के ग्राम पंचायत पडरा में 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत अंत्योदय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य शिविर के जरिए ग्रामीणों को निःशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, कलेक्टर विकास मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर ने ऐसे भारत की परिकल्पना की थी, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंत्योदय के मूल मंत्र के तहत समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने नागरिकों से 'शिक्षा, संगठन और संघर्ष' के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। सांसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ेगी और समावेशी विकास को गति मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन करते हुए महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जनगणना कार्य में सहयोग करने की शपथ भी दिलाई गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए समानता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को लोकतंत्र की आधारशिला बताया तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की जानकारी देते हुए न्याय तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण का भी आह्वान किया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि संविधान में प्रदत्त समानता का अधिकार समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए।उन्होंने अधिकारियों को टीम भावना से कार्य करते हुए जिले के विकास को गति देने के निर्देश दिए। इस दौरान सीधी जिले के थीम सॉन्ग का लोकार्पण भी किया गया।

एकलव्य विद्यालय टमसार में अंबेडकर जयंती पर विधायक टेकाम, बच्चों संग किया भोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, टमसार में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गय इस अवसर पर धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने बाबा साहब के विचारों को स्मरण करते हुए उनके योगदान को नमन किया। इस दौरान विधायक टेकाम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया और उनके सर्वांगीण विकास पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, कठोर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिससे विद्यार्थियों को और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

महुआ फूल के व्यापार पर सख्ती, बिना पंजीयन खरीदी-बिक्री पर होगी कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में महुआ फूल के व्यापार को लेकर वन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। वन परिक्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बिना पंजीयन महुआ फूल की खरीदी-बिक्री करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दर पर खरीदी करने वालों पर भी दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी वन विभाग के अनुसार सीधी जिला महुआ फूल उत्पादन की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्र है जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं संग्राहक महुआ फूल एकत्रित कर उसे प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों अथवा निजी व्यापारियों को विक्रय करते हैं इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा महुआ फूल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 35 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि इस निर्धारित दर से कम पर खरीदी करना नियमों का उल्लंघन है यदि कोई व्यापारी निर्धारित मूल्य से कम दर पर महुआ फूल खरीदते पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सर्किट हाउस में मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती: हितग्राहियों को मिला लाभ और लगा स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गोपाल दास बांध स्थित सर्किट हाउस में मंगलवार सुबह 11 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया गया और एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को तालाब वितरित किए गए जिससे ग्रामीणों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसके साथ ही अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें गरीब और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की गई। स्वास्थ्य शिविर में जिले के सिविल सर्जन, सीएमएचओ, नाक-कान-गला विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ सहित कई डॉक्टरों की टीम मौजूद रही। इस टीम ने सैकड़ों मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार और परामर्श दिया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह और सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे अतिथियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। उपस्थित लोगों को बाबा साहब के जीवन उनके संघर्ष और भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। संविधान के महत्व और उसके माध्यम से देश के नागरिकों को मिले अधिकारों पर भी प्रकाश डाला गया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्राप्त है।

अंबेडकर जयंती पर अमिलिया में विवाद, प्रशासन की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंबेडकर जयंती के दौरान जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद की घटना सामने आई जिससे कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। हालांकि प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से हालात पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया और वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद के दौरान दो चार पहिया एवं पांच दो पहिया वाहनों को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा थाना परिसर में भी खिड़कियों, फर्नीचर सहित अन्य सामग्री में तोड़फोड़ की गई। घटना में दोनों पक्षों से कुल 14 लोग घायल हुए हैं इनमें से 8 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है जबकि 6 लोगों का उपचार अभी जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर विकास मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं प्रशासनिक अमला तत्काल मौके पर पहुंच गया। हालात को नियंत्रित करने के लिए क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया तथा विभिन्न समुदायों के लोगों से संवाद स्थापित कर शांति बनाए रखने की अपील की गई। प्रशासन द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मारपीट, बलवा एवं शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में संबंधित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अंबेडकर जयंती रैली में हिंसक झड़प, महिलाओं-पुलिसकर्मी समेत 6 घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के अमिलिया में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की रैली के दौरान दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। रास्ते में खड़ी बोलेरो हटाने की बात पर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि नकाबपोशों ने एक घर में घुसकर हमला कर दिया। घटना में एक ही परिवार के चार लोग घायल हुए हैं जिसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से बाजार बंद करा दिया गया है। रैली के दौरान शुरू हुई हिंसा दोपहर बाद और उग्र हो गई। दोपहर करीब 3 बजे लगभग 200 की संख्या में भीम आर्मी के सदस्यों और आक्रोशित भीड़ ने अमिलिया थाने पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने थाने के भीतर घुसकर पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और कार्यालयों में तोड़फोड़ की। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 12 बजे अंबेडकर जयंती पर भीम आर्मी रैली निकाल रही थी। इस दौरान रास्ते में बोलेरो खड़ी थी। भीम आर्मी के सदस्यों ने उसे रास्ते से हटाने के लिए बोला, इस दौरान कुछ लोगों ने गाड़ी में तोड़ फोड़ कर दी इसके बाद मनी शुक्ला ने विरोध करते हुए गाली गलौज कर दी। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई और 50 नकाबपोश बदमाश घर पर पथराव करते हुए अंदर घुसे और मनी शुक्ला और परिवार के साथ मारपीट की और घर पर पत्थर मारे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बीच बचाव किया और मामला बढ़ने पर दूसरे पक्ष ने भी मारपीट कर दी।

कलेक्टर ने वार्ड 12 का किया निरीक्षण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

स्वच्छता, आवास, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण योजनाओं पर विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने नगर पालिका क्षेत्र सीधी के वार्ड क्रमांक 12 का निरीक्षण कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मूलभूत सुविधाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्रता का सही आकलन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एवं पारदर्शी सर्वे कराया जाए। विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं बीपीएल परिवारों को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत कलेक्टर ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यों में संलग्न महिलाओं की पहचान कर उन्हें संस्थागत रोजगार से जोड़ा जाए जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। इसके साथ ही उन्होंने 'सर्विसेज ऑन व्हील्स' की अवधारणा को लागू करने पर जोर दिया, जिसके माध्यम से नागरिकों को आवश्यक सेवाएं उनके घर के पास ही उचित दरों पर उपलब्ध कराई जा सकें। वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने हैंडपंपों के आसपास सोक पिट निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे जलभराव की समस्या दूर होगी स्वच्छता बनी रहेगी तथा भूजल स्तर के संरक्षण में भी मदद मिलेगी। विधवा पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाल ही में विधवा हुई महिलाओं का सर्वे कर पात्रतानुसार उनके प्रकरण शीघ्र स्वीकृत किए जाएं ताकि उन्हें समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। निरीक्षण के दौरान आवारा पशुओं की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई कलेक्टर ने कांजी हाउस को सुदृढ़ करने एवं पशुओं के नियंत्रण के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि इससे डॉग बाइट जैसी घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिलेगा। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने वार्ड 12 सहित नगर पालिका के सभी वार्डों में निजी खाली भूखंडों को चिन्हित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ऐसे भूखंडों के मालिकों को कचरा प्रबंधन एवं बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए प्रेरित किया जाए जिससे गंदगी पर नियंत्रण पाया जा सके और बीमारियों के फैलाव को रोका जा सके।

अंबेडकर जयंती पर जिले की 400 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं, समरसता और विकास का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिले की सभी 400 ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया यह आयोजन कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और समावेशी विकास का संदेश दिया गया। ग्राम सभाओं की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं एवं छायाचित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं जिनमें छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इन प्रस्तुतियों के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के विचारों, सामाजिक समानता, न्याय और बंधुत्व के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया साथ ही उपस्थित जनों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

महिला आरक्षण की पहल

महिला आरक्षण से उन दलों को अवश्य समस्या हो सकती है, जिनका महिलाओं के बीच व्यापक जनाधार नहीं और जो उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति उदासीन रहते हैं। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर आपत्ति जताई जा रही है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है।

संपादकीय

चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए कई विपक्षी दलों को यह रास नहीं रहा है। कई विपक्षी नेताओं की मानें तो बीती जनगणना के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने से कुछ राज्यों के राजनीतिक हितों की अनदेखी हो सकती है और लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। फिलहाल इस आशंका का कोई पुष्ट आधार नहीं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री कई बार यह कह चुके हैं कि महिला आरक्षण के चलते सीटें बढ़ने से किसी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। ऐसे में अच्छा यह होगा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधित प्रारूप सामने आने के बाद ही सवाल और संदेह खड़े किए जाएं। समस्या यह है कि मोदी सरकार कोई भी पहल करती है तो विपक्ष तत्काल उसकी नीयत पर सवाल खड़े करने लगता है। आलोचना-निंदा अनुमान और आशंका के आधार पर नहीं होनी चाहिए।

विपक्ष का यह कथन निराधार तो नहीं कि सरकार इस समय महिला आरक्षण लागू कराने वाली पहल से अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है, लेकिन आम तौर पर सरकारों और दलों के तो हर फैसले राजनीतिक हित ध्यान में रखकर ही लिए जाते हैं। यदि महिला आरक्षण को अगले लोकसभा चुनाव में लागू करने वाली पहल सफल होती है तो ऐसा विपक्ष के समर्थन से ही संभव होगा। स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का सपना साकार होने का श्रेय उनके खाते में भी जाएगा। महिला आरक्षण से उन दलों को अवश्य समस्या हो सकती है, जिनका महिलाओं के बीच व्यापक जनाधार नहीं और जो उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति उदासीन रहते हैं।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस)

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीर्घाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023- वंशवाद और प्रॉक्सी नेतृत्व दोनों को बढ़ावा? अयोग्यता, जुर्माना और कारावास जैसी सख्त सजा का प्रावधान ज़रूरी?

प्रतिनिधित्व से वास्तविक नेतृत्व तक-एक अधूरा सफ़र और आवश्यक सुधारों की आवश्यकता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

क्या हम केवल महिला नेतृत्व संख्या बढ़ाना चाहते हैं?या वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं? यही प्रश्न आज संसद के सामने है,और यही इस अधिनियम की वास्तविक परीक्षा भी। क़्या चुनी हुई महिला प्रतिनिधि केवल एक औपचारिक चेहरा बनकर रह जाती हैं?जबकि वास्तविक निर्णय व नेतृत्व उनके पति, पिता,भाई या अन्य पुरुष रिश्तेदार लेते हैं? संसद ने इसपर सख़्त संज्ञान लेना समय की मांग वैश्विक स्तरपर भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023(106वां संशोधन) (महिला आरक्षण विधेयक) भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जा रहा है महिलाओं को लोकसभा और राज्यविधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर नीति- निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करता है।आलोचकों का मानना है कि इससे प्रॉक्सी नेतृत्व (पति/पिता के नाम पर महिला प्रतिनिधि)और वंशवाद/भाई-भतीजावाद बढ़ सकता है, जबकि समर्थक इसे महिलाओं के सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम मानते हैं।आलोचक तर्क देते हैं कि ग्रामीण या जमीनी स्तरपर पुरुष नेता अपनी पत्नियों या बेटियों को उम्मीदवार बनाकर पर्दे के पीछे से शासन कर सकते हैं।यह भी आशंका जताई जा रही है कि पहले से स्थापित राजनीतिक परिवार अपनी महिला सदस्यों को सीटें दिलाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा क़ि वैसे ग्रामीण स्तरपर प्रॉक्सी सरपंच के ऊपर सरकार ने एक्शन लिया है वैसा ही नियम नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में भी बनाना जरूरी है।13 अप्रैल 2026 को पीएम ने राष्ट्रीय स्तर के महिला सम्मेलन में कहा कि लोकतंत्र में महिला आरक्षण अति आवश्यक है महिलाओं की भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत करती है,मैं अत्यंत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि यह 21वीं सदी के महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है,यह निर्णय नारी शक्ति को समर्पित है,नारी शक्ति वंदन को समर्पित हैं।बता दें दशकों से लंबित इस मांग को संवैधानिक स्वरूप देकर यह अधिनियम महिलाओं को विधायिका में समान भागीदारी की दिशा में आगे बढ़ाता है।किंतु इस ऐतिहासिक पहल के साथ- साथ कई जमीनी चुनौतियां और संरचनात्मक समस्याएं भी सामने आती हैं,जिनका समाधान किए बिना यह आरक्षण

केवल संख्यात्मक प्रतिनिधित्व तक सीमित रह सकता है,वास्तविक नेतृत्व तक नहीं पहुंच पाएगा? यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क़्या इस अधिनियम से वंशवाद तथा प्रॉक्सी नेतृत्व शुरू नहीं हो जाएगा? क्या केवल आरक्षण देने से महिलाओं का वास्तविक नेतृत्व सुनिश्चित हो जाएगा?भारत के ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के अनुभव बताते हैं कि ऐसा जरूरी नहीं है। अनेक मामलों में चुनी हुई महिला प्रतिनिधि केवल एक औपचारिक चेहरा बनकर रह जाती हैं,जबकि वास्तविक निर्णय उनके पति, पिता,भाई या अन्य पुरुष रिश्तेदार लेते हैं। इस प्रवृत्ति को आम भाषा में सरपंच पति या प्रॉक्सी नेतृत्व कहा जाता है। यह समस्या केवल पंचायत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि कई बार राज्य और राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में भी देखने को मिलती है।यह स्थिति लोकतंत्र की मूल भावना जनता द्वारा,जनता के लिए,जनता का शासन के साथ एक प्रकार का समझौता है।जब एक महिला प्रतिनिधि केवल नाममात्र की होती है और वास्तविक सत्ता किसी और के हाथ में होती है, तब यह न केवल महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को विफल करता है,बल्कि मतदाताओं के विश्वास के साथ भी धोखा है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में ऐसे प्रावधान जोड़े जाएं जो इस प्रॉक्सी नेतृत्व को रोक सकें। 16 से 18 अप्रैल 2026 को होने वाले संसद के विशेष सत्र में भाग लेने वाले सांसदों का ध्यान मैं इस आर्टिकल के माध्यम से आकर्षित करना चाहता हूं कि वे इस विषय पर संज्ञान लेकर संसद में विचार विमर्श करें ऐसा मेरा निवेदन है? साथियों बात अगर हम सरकार द्वारा उठाए गए सरपंच पति के खिलाफ़ एक्शन की करें तो ज़मीनी स्तरपर लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए एक अहम कदम के तौर पर,पंचायती राज मंत्रालय ने प्रॉक्सी सरपंच को ना कहें कैंपेन शुरू किया है।इंटरनेशनल महिला दिवस 2026 पर शुरू की गई इस देशव्यापी पहल का मकसद सरपंच पति कल्चर को खत्म करना है,जो बहुत गहराई तक जड़ें जमा चुका है और यह पक्का करना है कि चुनी हुई महिला प्रतिनिधि अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल आज़ादी से करें। सरपंच पति या प्रधान पति उस प्रथा को कहते हैं जिसमें चुनी हुई महिला सरपंच का पति या पुरुष रिश्तेदार असल में एडमिनिस्ट्रेटिव और फ़ैसले लेने की पावर रखता है, जिससे महिला सिर्फ़ केवल नाममात्र की ही मुखिया बनकर रह जाती है जो लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथियों बात अगर हम महिलाओं को सशक्त बनाने वास्तविक नेतृत्व देने का अपना उद्देश्य सफल बनाने की करें तो मेरे विचार से इन पांच रणनीतियों पर संज्ञान लेने की सख़्त जरूरत है,सबसे पहली रणनीति यह होसकती है कि कानून में स्पष्ट रूप से प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की परिभाषा दी जाए और इसे दंडनीय अपराध घोषित किया जाए। यदि यह प्रमाणित हो कि किसी महिला जनप्रतिनिधि के अधिकारों का प्रयोग कोई अन्य व्यक्ति कर रहा है,जैसे कि बैठकों में भाग लेना, निर्णय लेना,दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना, सीक्रेट दस्तावे देखना चुनीं हुई प्रतिनिधि के सिवाय उसका पति या कोई रिश्तेदार कर रहा है तो तो उस स्थिति में संबंधित व्यक्ति और महिला प्रतिनिधि दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। इसके तहत पद से अयोग्यता, जुर्माना और कारावास जैसी सख्त सजा का प्रावधान किया जा सकता है।दूसरी महत्वपूर्ण रणनीति है,क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग)। केवल सीट आरक्षित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक,विधायी और वित्तीय प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरपर विशेष प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा सकते हैं,जहां महिलाओं को नेतृत्व कौशल,निर्णय लेने की क्षमता और संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी जाए। यदि महिलाएं आत्मविश्वास और ज्ञान से सशक्त होंगी, तो वे किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगी।तीसरी रणनीति के रूप में डिजिटल पारदर्शिता और निगरानी तंत्र कोमजबूत किया जाना चाहिए। आज के डिजिटल युग में यह संभव है कि सभी सरकारी बैठकों,निर्णयों और फंड के उपयोग को ऑनलाइन रिकॉर्ड किया जाए।यदि किसी बैठक में महिला प्रतिनिधि की जगह कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित होता है या निर्णय लेता है,तो इसे आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। इसके साथ ही,नागरिकों को भी शिकायत दर्ज कराने का अधिकार दिया जाना चाहिए, जिससे वे किसी भी प्रकार के प्रॉक्सी नेतृत्व की सूचना संबंधित प्राधिकरण को दे सकें।चौथी रणनीति है,राजनीतिक दलों की जवाबदेही।अक्सर देखा गया है कि राजनीतिक दल सुरक्षित सीटों पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए अपने परिवार की महिलाओं को उम्मीदवार बना देते हैं। इससे वंशवाद और प्रॉक्सी नेतृत्व दोनों को बढ़ावा मिलता है। इसलिए यह आवश्यक है कि राजनीतिक दलों के लिए भी आचार संहिता बनाई जाए,जिसमें यह सुनिश्चित किया जाए कि उम्मीदवारों का चयन केवल पारिवारिक संबंधों के आधार पर न हो,बल्कि उनकी योग्यता,अनुभव और सामाजिक योगदान को प्राथमिकता दी जाए।पांचवीं और अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीति है,सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन। कानून केवल एक ढांचा प्रदान कर सकता है, लेकिन वास्तविक बदलाव समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन से ही आएगा।जब तक समाज महिलाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने वाली नेता के रूप में स्वीकार नहीं करेगा,तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित रहेगा। इसके लिए शिक्षा, मीडिया और सामाजिक अभियानों के माध्यम से यह संदेश फैलाना होगा कि महिला नेतृत्व केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक और प्रभावी होना चाहिए। साथियों हम इस बात पर विचार करें कि अब प्रश्न यह भी उठता है कि क्या एक सक्षम और तेजस्वी महिला नेता बिना किसी पुरुष हस्तक्षेप के राजनीति में टिक पाएगी? इसका उत्तर है,हाँ, लेकिन इसके लिए एक सहायक पारिस्थितिकी की आवश्यकता है। यदि कानून मजबूत हो, प्रशिक्षण उपलब्ध हो, और समाज का समर्थन मिले, तो महिलाएं न केवल टिकेंगी बल्कि उत्कृष्ट नेतृत्व भी प्रदान करेंगी। भारत में पहले से ही कई उदाहरण हैं,जहां महिलाओं ने अपने दम पर राजनीति में अपनी पहचान बनाई है और प्रभावी निर्णय लिए हैं। साथियों बात अगर हम नारी शक्ति वंदन अधिनियम को गहराई से समझने की करें तो सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि इस अधिनियम के तहत महिलाओं को किन- किन चुनावों में 33.33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इस कानून के अनुसार, भारत की संसद (लोकसभा) और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए कम से कम एक-तिहाई सीटें आरक्षित की जाएंगी। इसके साथ ही, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत उप-आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। हालांकि यह आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा, बल्कि इसके लागू होने की शर्तें निर्धारित की गई हैं पहली देश में अगली जनगणना पूरी हो; दूसरी, उसके आधार पर परिसीमन (डेलिमिटेशन) की प्रक्रिया पूरी की जाए।अनुमानत यह प्रक्रिया 2029 के आम चुनावों तक पूरी हो सकती है, जिसके बाद यह आरक्षण प्रभावी रूप से लागू होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अधिनियम स्थानीय निकायों (पंचायतों और नगर निकायों) पर लागू नहीं होता, क्योंकि वहां पहले से ही 33 प्रतिशत से लेकर कई राज्यों में 50 प्रतिशत तक महिला आरक्षण लागू है। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि 16 से 18 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित विशेष संसद सत्र केवल आरक्षण लागू करने का अवसर नहीं है, बल्कि इसे सार्थक और प्रभावी बनाने का भी एक ऐतिहासिक मौका है। संसद के माननीय सदस्यों को इस बात का संज्ञान लेना चाहिए कि यदि इस अधिनियम में प्रॉक्सी नेतृत्व को रोकने के लिए ठोस प्रावधान नहीं जोड़े गए, तो यह कानून अपने मूल उद्देश्य से भटक सकता है।इसलिए यह समय की मांग है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को केवल एक आरक्षण कानून के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक व्यापक सामाजिक- राजनीतिक सुधार के रूप में विकसित किया जाए।इसमें कानूनी दंड,प्रशिक्षण,पारदर्शिता राजनीतिक जवाबदेही और सामाजिक परिवर्तन इन सभी पहलुओं को शामिल करना आवश्यक है।तभी यह अधिनियम भारत की महिलाओं को केवल सीट ही नहीं, बल्कि सत्ता और सम्मान भी दिला सकेगा।इस ऐतिहासिक मोड़ पर लिया गया निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए दिशा निर्धारित करेगा क्या हम केवल संख्या बढ़ाना चाहते हैं, या वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं? यही प्रश्न आज संसद के सामने है, और यही इस अधिनियम की वास्तविक परीक्षा भी।

रंग, राग और रचना: जीवन में कला का उत्सव

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है।

15 अप्रैल विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख

सुनील कुमार महला

वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैलज़्ई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैलज़्ई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है। अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है।

कंट्रोल-रूम से छात्रों ने संभाला ट्रैफिक सिस्टम ; जागरूकता लाने बच्चों को बनाया ब्रांड-एम्बेसडर , SSP बोले-बच्चों के सामने न तोड़े नियम

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में चौक-चौराहों पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला। ट्रैफिक कंट्रोल रूम से लेकर सड़क तक हर जगह स्कूली बच्चे सक्रिय नजर आए। 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती पर पुलिस ने विशेष पहल की, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं को पुलिसिंग की दुनिया से रूबरू कराया। इस दौरान छात्रों ने न सिर्फ ट्रैफिक सिस्टम को समझा बल्कि खुद कंट्रोल रूम में बैठकर पुलिस कप्तान रजनेश सिंह के साथ लाइव अनाउंसमेंट भी किया सड़क पर चल रहे लोगों को नियमों का पालन करने की अपील की। बच्चों ने कंट्रोल रूम में बैठकर पुलिस कप्तान रजनेश सिंह के साथ लाइव अनाउंसमेंट भी किया। एसएसपी का इमोशनल मैसेज-आपको देखकर बच्चे सीख रहे हैं कृपया नियमों का पालन करें एसएसपी रजनेश सिंह ने चौक-चौराहों पर लगे लाउड स्पीकर के जरिए आम लोगों से कहा कि आज ट्रैफिक सिस्टम बच्चे संभाल रहे हैं आपको देखकर सीख रहे हैं। कृपया नियमों का पालन करें और उनके सामने अच्छे नागरिक होने का परिचय दें। यह संदेश सुनते ही कई जगह वाहन चालकों ने हेलमेट पहना, लाइन में खड़े हुए और ट्रैफिक नियमों का पालन करते नजर आए। छात्रों को शहर के इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर ले जाया गया, जहां उन्होंने आईटीएसएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम), लाइव सीसीटीवी निगरानी, नंबर प्लेट और फेस रिकग्निशन सिस्टम को खुद ऑपरेट कर देखा कुछ छात्रों ने तो सीधे सिस्टम से अनाउंसमेंट कर अव्यवस्थित पार्किंग करने वालों को हिदायत भी दी। शहीद विनोद चौबे चौक में आयोजित कार्यशाला में बच्चों को ब्रीथ एनालाइजर, स्पीड राडार गन, व्हील लॉक, पीओएस मशीन और एम-परिवहन पोर्टल जैसी तकनीकों का लाइव डेमो दिखाया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि नियम तोड़ने पर कैसे डिजिटल चालान और कार्रवाई होती है। छात्रों को साइबर थाना ले जाकर डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन फ्रॉड, 1930 हेल्पलाइन, सीईआईआर पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई। वहीं डायल 112 की कार्यप्रणाली भी समझाई गई कि किस तरह एक कॉल पर तुरंत पुलिस मौके तक पहुंचती है। एसएसपी का इमोशनल मैसेज-आपको देखकर बच्चे सीख रहे हैं कृपया नियमों का पालन करें। एसएसपी का इमोशनल मैसेज-आपको देखकर बच्चे सीख रहे हैं कृपया नियमों का पालन करें।

अंबेडकर जयंती पर निकाली वाहन रैली: यूपीएससी में चयनितग हुए श्रेयांश बड़ोदिया

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एनआर हरियाले, जिला अध्यक्ष रविशंकर वाल्मीकि ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर उन्हें नमन किया। एनआर हरियाले, रविशंकर वाल्मीकि ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, प्रारंभिक शिक्षा, संविधान निर्माण समिति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उनका जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में सभी ने खड़े होकर बाबा साहब की प्रार्थना की। यूपीएससी में चयनित होने वाले श्रेयांश बड़ोदिया का कलेक्टर सोमेश मिश्रा के हाथों स्वागत, सम्मान हुआ। इस अवसर पर अतिथि कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, नर्मदापुरम के पूर्व जिला कोषालय अधिकारी जीडी बड़ोदिया, उनके बेटे यूपीएसी पासआउट श्रेयांश बड़ोदिया, ललित डेहरिया, सुमित्रा अहिरवार समेत अन्य मौजूद रहे। जयंती के अवसर पर जय भीम आर्मी सेना ने वाहन रैली का आयोजन किया। डीजे के साथ वाहन रैली शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुराने बस स्टैंड स्थित आंबेडकर प्रतिमा स्थल पहुंची।

बिलासपुर के ब्रिलियंट स्कूल की मान्यता खत्म करने की सिफारिश : नारायणा ई-टेक्नो पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। स्टूडेंट्स और पेरेंट्स को CBSE कोर्स के नाम पर भ्रमित करने वाले ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा की गई है। हालांकि इसी तरह के आरोपों के बावजूद नारायणा ई-टेक्नो स्कूल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है इस पर छ्थ्ह का कहना है कि स्कूल ने मान्यता ले ली है। बताया जा रहा है कि 5वीं और 8वीं कक्षाओं में खुद को CBSE से मान्यता प्राप्त बताने वाले ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल (मिशन अस्पताल रोड, व्यापार विहार) और नारायणा ई-टेक्नो स्कूल (अमेरी रोड) के खिलाफ शिक्षा विभाग ने जांच कमेटी गठित की थी। दरअसल इस बार राज्य सरकार ने 5वीं और 8वीं कक्षाओं में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के तहत बोर्ड परीक्षा आयोजित करने का आदेश जारी किया था स्कूल प्रबंधन ने इस आदेश की जानकारी देते हुए पेरेंट्स से बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए भेजने को कहा। पेरेंट्स का कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने परीक्षा की सूचना मात्र एक दिन पहले दी ऐसे में बच्चे बिना पर्याप्त तैयारी के ही परीक्षा देने पहुंचे पेरेंट्स ने सवाल उठाया कि सिर्फ एक दिन पहले सूचना देकर बोर्ड परीक्षा कैसे ली जा सकती है जबकि बच्चों को तैयारी का पर्याप्त समय भी नहीं मिला। पेरेंट्स का कहना है कि एडमिशन के समय स्कूलों ने खुद को CBSE से जुड़ा बताया था, लेकिन बाद में बच्चों को माध्यमिक शिक्षा मंडल (CG बोर्ड) से परीक्षा देने के लिए कहा गया। साल भर सीबीएसई कोर्स की पढ़ाई के बाद अचानक स्टूडेंट्स को बोर्ड का एग्जाम देने के लिए मजबूर करने की जानकारी होने पर पेरेंट्स परेशान हो गए उन्होंने इस मामले की शिकायत कलेक्टर के साथ ही केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू से की। लेकिन कलेक्टर संजय अग्रवाल ने स्कूल प्रबंधन को क्लीन चिट देते हुए हाथ खड़े कर दिए जिसके बाद केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने कमेटी जांच बनाई। जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे ने बताया कि जांच कमेटी ने ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा की है जिसकी रिपोर्ट राज्य शासन को भेजी गई है। दूसरी तरफ नारायणा ई-टेक्नो स्कूल की जांच रिपोर्ट में पता चला है कि पिछले दो साल से स्कूल बिना मान्यता के संचालित थी, लेकिन इस बार स्कूल प्रबंधन ने सीबीएसई बोर्ड से मान्यता ले ली है।

4 तालाबों के लिए 20 करोड़ की नई योजना, बिलासपुर में करोड़ों खर्च के बाद भी पुराने तालाब बदहाल

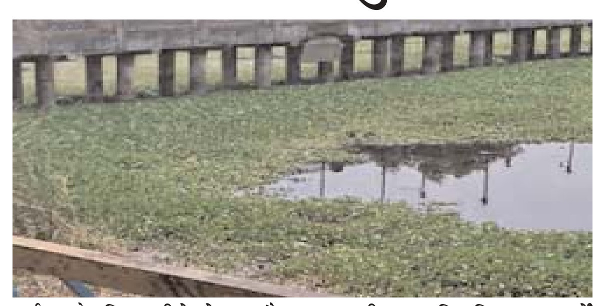

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। नगर निगम चार तालाबों के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए 20 करोड़ रुपये की नई योजना का प्रस्ताव शासन को भेज रहा है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब शहर के कई तालाब जिन पर पहले करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं अभी भी बदहाल स्थिति में हैं। शहर के तारबाहर वार्ड स्थित घनी आबादी वाला डीपूपारा तालाब करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद गंदा और बदहाल है इसी तरह जरहाभाठा के जतिया तालाब से दुर्गंध आती है जिससे सुबह-शाम सैर के लिए आने वाले लोग परेशान होते हैं। तारबाहर निवासी दिलीप नारायण ने डीपूपारा तालाब की दुर्दशा के लिए सीधे मेयर और नगर निगम को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि यदि निगम स्टाफ तालाब की व्यवस्थाओं की देखरेख करता, तो करोड़ों खर्च कर लगाई गई आकर्षक लाइटें और अन्य सुविधाएं आज बदहाल नहीं होतीं। इसी वार्ड के राजेश रजक ने बताया कि महापौर पूजा विधानी ने तालाब के सुधार का आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों के लिए फंड तो आ जाते हैं लेकिन खर्च होने के बाद उनके रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जाता जिससे निगम की संपत्तियां बर्बाद हो जाती हैं। नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने कहा देखरेख का जिम्मा स्वसहायता समूहों को दिया जाएगा। नगर निगम के अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने स्वीकार किया है कि तालाबों के सुधार या अन्य निर्माण पर खर्च की गई राशि के बाद उनके रखरखाव की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है। उन्होंने बताया कि नई योजना में तालाबों के पुनर्विकास कार्य के बाद उनकी देखरेख का जिम्मा स्वसहायता समूहों को दिया जाएगा ताकि व्यवस्थाएं सुचारु रूप से बनी रहें। बिलासपुर स्मार्ट सिटी के जीएम(टेक्निकल) एसपी साहू का कहना है कि अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत पर्यावरण को केंद्र में रख कर तालाबों के पुनरोद्धार की योजना बनाई गई है। इसके लिए करीब 20 करोड़ का प्रस्ताव शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है, राज्य से प्रस्ताव केंद्र सरकार को जाएगा और पूरी राशि केंद्र से प्राप्त होगी।

मसीही समाज ने निकाली संविधान बचाव रैली

मनेंद्रगढ़ में धर्मांतरण विधेयक को काला कानून बताया, बड़ी संख्या में लोग शामिल

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। धर्मांतरण विधेयक- 2026 के विरोध में मनेंद्रगढ़ में संयुक्त मसीही सेवा समिति ने 'संविधान बचाव रैली' का आयोजन किया। इस रैली में मसीही समाज के बड़ी संख्या में लोग, खासकर महिलाएं शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विधेयक के खिलाफ नारेबाजी की। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने धर्मांतरण विधेयक को 'काला कानून' करार दिया उन्होंने इसे मौलिक अधिकारों का हनन बताया और कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने और उसका प्रचार-प्रसार करने की स्वतंत्रता देता है यह विधेयक इस संवैधानिक अधिकार को सीमित करने का प्रयास करता है। संयुक्त मसीही सेवा समिति के पदाधिकारियों ने तर्क दिया कि यह विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों के विरुद्ध है और इससे सामाजिक सौहार्द पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से इस विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की। रैली के समापन के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें विधेयक के प्रति अपनी आपत्तियां दर्ज कराई गईं। ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि सरकार उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है तो मसीही समाज कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए विवश होगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक यह विधेयक वापस नहीं लिया जाता तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

वेदांता पावर-प्लांट में बॉयलर फटाने से मजदूरो की मौत

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई है। स्क्र प्रफुल्ल ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। वहीं 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए हैं। 15 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया है जहां 5 मजदूरों की मौत की खबर है। जानकारी के मुताबिक सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हर रोज की तरह सामान्य काम चल रहा था। इस दौरान अचानक दोपहर करीब 2 बजे बॉयलर ब्लास्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासन अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्यूब फटने से हादसा हुआ है। 11 घायलों को खरसिया के पद्मावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अंबेडकर जयंती जुलूस में हादसा; डीजे से टक्कर के बाद विवाद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के गुना बायपास पर दोपहर अंबेडकर जयंती जुलूस में शामिल डीजे वाहन से टक्कर के बाद विवाद हो गया। नाराज युवकों ने एक ट्रक चालक का पीछा कर उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट की मौके पर मौजूद पुलिस ने चालक को भीड़ से सुरक्षित निकाला। यह घटना अंबेडकर जयंती के अवसर पर हुई। बड़ौदी क्षेत्र से डीजे के साथ एक जुलूस शहर की ओर आ रहा था थीम रोड स्थित फॉरेस्ट नाके के पास एक ट्रक डीजे वाहन से टकरा गया, जिससे डीजे में लगी लाइटें क्षतिग्रस्त हो गईं। टक्कर के बाद ट्रक चालक बिना रुके मौके से आगे बढ़ गया इससे जुलूस में शामिल कुछ युवक नाराज हो गए और उन्होंने बाइक से ट्रक का पीछा करना शुरू कर दिया युवकों ने गुना बायपास पर ट्रक को रोक लिया। वहां भीड़ जमा हो गई, जिसने ट्रक को घेर लिया और उसके शीशे तोड़ दिए इसके बाद चालक के साथ मारपीट की गई। घटना के समय देहात थाना पुलिस मौके पर मौजूद थी पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए चालक को भीड़ से बचाया। चूंकि घटना स्थल कोतवाली थाना क्षेत्र में आता है इसलिए चालक को शिकायत दर्ज कराने के लिए कोतवाली भेजा गया है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में अंबेडकर जयंती व बैसाखी का संयुक्त आयोजन

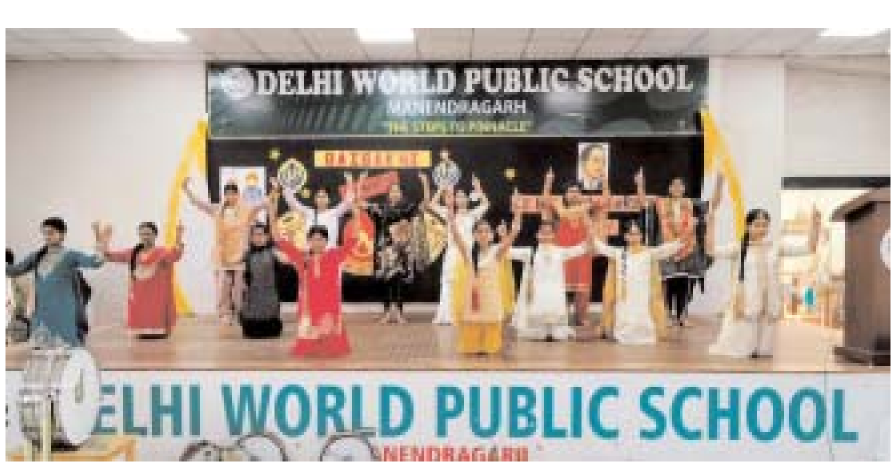

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। क्षेत्र के अग्रणी शैक्षणिक संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती एवं बैसाखी पर्व का संयुक्त रूप से भव्य आयोजन किया गया। यह अवसर समानता, सामाजिक न्याय और समृद्धि के संदेश को एक मंच पर प्रस्तुत करने वाला बना। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करते हुए सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश भी प्रभावी रूप से प्रसारित किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:कालीन विशेष प्रार्थना सभा से हुई जिसमें दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ वातावरण श्रद्धा और सम्मान से भर उठा। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को विद्यार्थियों के जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर कक्षा आठवीं के छात्र आरव ने डॉ. अंबेडकर के जीवन उनके संघर्षों तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया उनके वक्तव्य ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। वहीं कक्षा ग्यारहवीं के छात्र जसराज ने बैसाखी पर्व के महत्व, नई फसल, परिश्रम और समृद्धि के प्रतीक के रूप में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में कक्षा सातवीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत पंजाबी लोकनृत्य भांगड़ा और गिद्धा ने सभी का मन मोह लिया। इन जीवंत प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार कर दिया और ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा पंजाब मंच पर साकार हो उठा हो नृत्य के माध्यम से किसानों की मेहनत, खेतों की हरियाली और त्योहार की उमंग को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का संविधान हमें समानता का मार्ग दिखाता है, जबकि बैसाखी हमें परिश्रम और एकता का महत्व सिखाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इन दोनों आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। संस्था की निदेशिका श्रीमती पूनम सिंह ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन दिन हमें समानता और परिश्रम के दो महान संदेशों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के लिए नई राह खोली वहीं बैसाखी हमें धैर्य और मेहनत के महत्व का बोध कराती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संजोए रखने का संदेश दिया गया। राष्ट्रगान के साथ इस प्रेरणादायक एवं अवस्मरणीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

2 चचेरी बहनों ने पी जहरीली दवा: कोल्डड्रिंक समझकर चखी शीशी

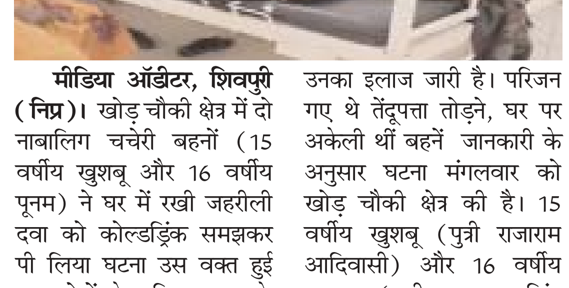

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। खोड़ चौकी क्षेत्र में दो नाबालिग चचेरी बहनों (15 वर्षीय खुशबू और 16 वर्षीय पूनम) ने घर में रखी जहरीली दवा को कोल्डड्रिंक समझकर पी लिया घटना उस वक्त हुई जब दोनों के परिजन पास के जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए हुए थे। दवा चखने के बाद दोनों को घबराहट और उल्टियां शुरू हो गईं। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने दोनों को खोड़ के स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिलाने के बाद गंभीर हालत में शिवपुरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका इलाज जारी है। परिजन गए थे तेंदूपत्ता तोड़ने, घर पर अकेली थीं बहनें जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार को खोड़ चौकी क्षेत्र की है। 15 वर्षीय खुशबू (पुत्री राजाराम आदिवासी) और 16 वर्षीय पूनम (पुत्री फूल सिंह आदिवासी) आपस में चचेरी बहनें हैं। घटना के समय दोनों घर पर अकेली थीं। उनके परिजन तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए पास के जंगल में गए हुए थे। परिजनों की गैरमौजूदगी में पूनम घर में रखी एक शीशी लेकर आई जो दिखने में बिल्कुल कोल्डड्रिंक जैसी लग रही थी।

सीजन में पहली बार 39 डिग्री पहुंचा पारा

पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म 40 के पार जाएगा तापमान; दोपहर में सूनी हो रहीं सड़कें

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद एक सप्ताह बाद फिर तेज गर्मी का असर दिखने लगा है। सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और बढ़ती गर्मी के कारण सुबह 11 बजे के बाद से ही शहर की सड़कें और बाजार सूने हो रहे हैं। वर्तमान में मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम पूरी तरह साफ रहने और तापमान के जल्द ही 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की संभावना जताई है।

2 दिन में 3.2 डिग्री बढ़ा अधिकतम तापमान: एक सप्ताह पहले हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण मौसम में जो ठंडक आई थी, वह अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद रविवार से ही गर्मी ने अचानक तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। बीते दो दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 3.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में करीब 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है।

सुबह 11 बजे के बाद बाजारों में पसर रहा सन्नाटा: तेज धूप और बढ़ती गर्मी का असर अब सड़कों पर साफ नजर आ रहा है। सुबह 11 बजे के बाद से ही शहर की सड़कें सूनी हो जाती हैं। दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है और लोग तेज गर्मी के कारण जरूरी काम भी टालते दिख रहे हैं। इसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों की भीड़ कम हो गई है।

मौसम साफ रहेगा, 40 डिग्री के पार जाएगा तापमान: मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में मौसम पूरी तरह साफ रहेगा और अधिकतम तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जल्द ही जिले का पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है, जिससे गर्मी का असर और अधिक तीव्र होगा और जनजीवन और भी ज्यादा प्रभावित होगा।

पुलिस का सुरक्षित ट्रैक्टर-ट्रॉली, सुरक्षित किसान अभियान

● सड़क दुर्घटना रोकने 30 ट्रैक्टर ट्रालियों पर लगाया रिफ्लेक्टर रेडियम

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम पुलिस ट्रैक्टर ट्रालियों से होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए अभियान चला रही है। अभियान का नाम सुरक्षित ट्रैक्टर-ट्रॉली सुरक्षित किसान दिया है। अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा ट्रॉली के पीछे रिफ्लेक्टर रेडियम लगाया जा रहा है। ताकि रात के दौरान गाड़ी के लाइट का उजाला पड़ने पर वो रिफ्लेक्ट हो और सामने वाला वाहन चालक पहले से सतर्क हो जाएं। किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है। डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में गेहूं,चना खरीदी केंद्रों पर खड़ी ट्रालियों और हाईवे से गुजरती ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रेडियम चस्पा किया। अभियान का फ्लैक्स लगाकर भी रेडियम लगाने के फायदें बताएं। डोलरिया थाना प्रभारी चौहान ने बताया ट्रॉलियों में पीछे लाइट नहीं होती है। जिस वजह से अधिकांश रात को ट्रॉलियों दिखती नहीं और उसमें अन्य वाहन टकरा जाते। जिससे मृत्यु और घायल होने की घटनाएं होती। उसे रोकने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

वन अमले पर हमला, दो महिला समेत 10 पर केस

खंडवा के जंगल में अतिक्रमण रोकने पहुंचे चौकीदार से की थी मारपीट

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के गुड़ी वन परिक्षेत्र में जंगल की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई। सोमवार को भिलाईखेड़ा बीट के आमाखुजरी टांडा में अतिक्रमणकारियों ने जंगल की जमीन पर हल चलाकर खेती की तैयारी शुरू कर दी थी। इस दौरान वन विभाग की टीम ने कार्रवाई की तो आरोपियों ने एकजुट होकर वन अमले के साथ झूमाझपटी की और चौकीदार से मारपीट की थी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया हैं। वनपाल अंतरसिंह बघेल (44), निवासी गुड़ी वन परिक्षेत्र की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में स्त्रढ्ढक्रदर्ज की है। पुलिस ने रमेश, इंदर सिंह, सुरसिंह, भुवानसिंह, बुचा, गंगाराम, गणपत, सूरज, रामसिंह की पत्नी, गोरेलाल की पत्नी सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 190, 189(2), 132, 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

चौकीदार पर हमला, कपड़े फाड़े: कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों ने चौकीदार रामदास को घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने उसके कपड़े फाड़ दिए, गला दबाया और नाखूनों से हमला कर घायल कर दिया। साथ ही दोबारा कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी।

महिलाओं ने किया हंगामा, बनाया दबाव: वन विभाग के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाओं ने हंगामा करते हुए खुद के कपड़े फाड़ लिए, ताकि वन अमले पर दबाव बनाया जा सके। हालांकि, पूरे घटनाक्रम का वीडियो वन कर्मचारियों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया है।

बाहरी जिलों से पहुंचे अतिक्रमणकारी: वन विभाग का कहना है कि क्षेत्र में अतिक्रमणकारी बड़वानी, खरगोन और बुरहानपुर जिलों से आकर वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। अतिक्रमण में मुआसिंह और उसके परिवार के सदस्यों की भूमिका सामने आई है। विभाग के मुताबिक, इनके पट्टे करीब दो महीने पहले निरस्त कर दिए गए थे और बेदखली के आदेश भी जारी हो चुके हैं। मुआसिंह पर पहले से आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और जिलाबदर की कार्रवाई भी लंबित है।

पेड़ काटे, दोबारा कब्जा करने की कोशिशः अतिक्रमणकारियों ने करीब 3 हेक्टेयर क्षेत्र में बबूल के पेड़ काट दिए, जहां पहले बीजारोपण किया गया था। वहीं आमाखुजरी क्षेत्र की करीब 250 हेक्टेयर वनभूमि में से लगभग 50 हेक्टेयर पर दोबारा अवैध कब्जा कर बोवनी की तैयारी की जा रही है।

देवास में 3 वाहनों की टक्कर कार के पिछले हिस्से में घुसी बाइक

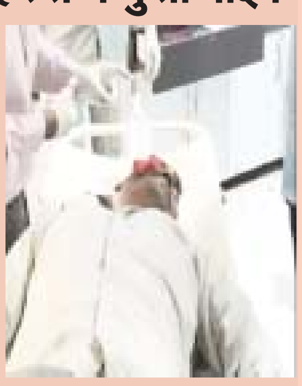

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास शहर में ट्रैफिक थाने के सामने मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे स्कूटर, कार और बाइक की आपस में टक्कर हो गई। क्रॉसिंग पर ब्रेक लगने से हुए इस हादसे में बाइक सवार उछलकर कार के पिछले कांच से टकरा गया, जिससे 40 वर्षीय गोपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया है, जहां प्राथमिक इलाज के दौरान चेहरे पर 10 से ज्यादा टांके लगाकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है।

क्रॉसिंग पर अचानक ब्रेक लगाने से हुई तीनों वाहनों की भिड़ंत: जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे ट्रैफिक थाने के सामने क्रॉसिंग करते वक्त एक स्कूटर सवार ने अचानक ब्रेक लगा दिया। ब्रेक लगने के कारण स्कूटर के पीछे आ रही कार उससे टकरा गई। इसी दौरान कार के ठीक पीछे आ रही बाइक भी अनियंत्रित होकर कार के पिछले हिस्से में जा घुसी।

कांच से टकराकर उछला बाइक सवार, चेहरे पर लगी गंभीर चोट: पीछे से हुई यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक चला रहे 40 वर्षीय गोपाल सिंह उछलकर कार के पिछले कांच से टकरा गए। कांच से टकराने के कारण वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायल को ई-रिक्शा से जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनके चेहरे पर करीब 10 से ज्यादा टांके आए हैं।

दोस्त के साथ इंदौर के पास नुक्ते में जा रहे थे गोपाल: हादसे के समय बाइक पर पीछे बैठे गोपाल सिंह के दोस्त राजेश मंडलोई (निवासी अमोना) ने बताया कि वे दोनों मंगलवार सुबह बाइक से इंदौर के पास स्थित एक गांव में जा रहे थे। दोनों को वहां परिवार के एक नुक्ते के कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन रास्ते में ही ट्रैफिक थाने के सामने यह सड़क हादसा हो गया।

बाइक सवार पिता-बेटी पर नकाबपोश 6 बदमाशों ने किया हमला

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के बाजना क्षेत्र के माही नदी के पास रविवार देर रात बाइक सवार पिता ओर बेटी के लूटपाट की घटना हो गई। दो बाइक पर 6 नकाबपोश बदमाशों ने पीछा कर बाइक को ओवरटेक कर रोका। मारपीट करते हुए 20 हजार रुपए नगद और बेटी का मंगलसूत्र, कान के टॉप्स व अन्य सामान लूट ले गए। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ निवासी कादर खान अपनी बेटी फरजाना और तीन वर्षीय पोते के साथ बाइक से जावरा से अपने घर लौट रहे थे। रात में जब वे रतनपुर के पास माही नदी से करीब 9 किलोमीटर पहले वह पहुंचे। रात करीब 12 बजे 6 अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।

धारदार हथियार से धमकाया: बदमाशों ने धारदार हथियार (चाकू) दिखाकर डरा धमकाकर कर मारपीट की। एक बदमाश ने कादर खान की गर्दन पर चाकू अड़ा दिया। बदमाशों ने कादर खान के पास से करीब 5000 नकद एवं उनकी बेटी से पर्स में रखे 15 हजार नगद, मंगलसूत्र एवं कान के सोने के टॉप्स छिन लिए। इसके अलावा बाईक की चाबी, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड के साथ कपड़ों से भरा बैग और दोनों के मोबाइल व अन्य सामान लूट लिया।

पिकअप वाहन की रोशनी देख भागे: बदमाश बाजना की तरफ से आ रही मैजिक पिकअप वाहन की लाईट को रोशनी देख भाग निकले। इस दौरान बदमाशों ने पीड़ित परिवार के साथ मारपीट भी की। रात में पिता ओर बेटी जैसे तैसे बाजना थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

शादी से लौट रहे थे:पीड़ित फरजाना के पति जब्बार खान ने बताया ससुर और मेरी पत्नी जावरा में गए थे। साले की पत्नी की तबीयत खराब होने पर घर पर कोई नहीं था। इस कारण ससुर कादर खान रात में ही घर जाने के लिए निकल गए थे।

रतलाम के जंगल में मिला ऑस्ट्रेलिया का युवक

पेड़ के नीचे बैठा मिला, रास्ता भटकने की आशंका, नामली थाने ले गई पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के बांगरोद और जड़वासा के बीच जंगल में सोमवार रात 11 बजे ऑस्ट्रेलिया का एक युवक मिला। युवक की 42 साल है। ग्रामीणों को जब युवक के बारे में जानकारी लगी तो भीड़ लग गई। बांगरोद पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप शर्मा समेत पुलिस बल पहुंचा। युवक एक पेड़ के नीचे बैठा मिला। पुलिस युवक को लेकर रात में नामली थाने पहुंची। जहां उससे पुलिस पूछताछ में जुटी। देर रात तक युवक अपना नाम नहीं बता पाया। इसके पास से वीजा जरुर मिला है।

ग्रामीणों ने दी सूचना: बांगरौद चौकी प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि रात की गश्त के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि बांगरोद और जड़वासा के बीच एक विदेशी युवक पेड़ के नीचे अकेला बैठा है। वहां पहुंचने पर युवक से बात की। युवक ने ऑस्ट्रेलिया का रहने वाला बताया। ट्रॉली बैग को हाथ नहीं लगाने दे रहा युवक जिस जगह मिला है वह स्थान बांगरोद रेलवे स्टेशन से आधा किमी दूर है। संभावना जताई जा रही है कि यह ट्रेन से बांगरोद में उतर गया होगा। युवक ने पुलिस को उसके पास वीजा होने की बात बताई है लेकिन वह अपने ट्रॉली बैग को किसी को हाथ नहीं लगाने दे रहा है। यह भी बात सामने आ रही है कि युवक किसी ऑटो में बैठकर आया था। जिसे बांगरोद व जड़वासा के बीच उतार दिया। हालांकि ऑटो को लेकर अभी कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल रात में बांगरोद चौकी से युवक को नामली थाने ले जाया गया। जहां सोमवार देर रात तक पूछताछ जारी थी।

बेटी की शादी से पहले पिता की मौत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। वे अपनी बेटी की शादी के कार्ड बांटने निकले थे, तभी उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मृतक की पहचान अनूपपुर जिले के भालूमंडा थाना क्षेत्र निवासी 45 वर्षीय बाबूराम बैगा के रूप में हुई है। उनकी बेटी का विवाह 27 अप्रैल को निर्धारित था, जिसके लिए वह रिश्तेदारों को शादी के कार्ड बांटने निकले थे। जानकारी के मुताबिक, बाबूराम जैतपुर के बिरौडी गांव में निमंत्रण देने के बाद अपनी मोटरसाइकिल से चकौडिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाबूराम बैगा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जैतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

पन्ना में बंदर ने बुजुर्ग महिला के हाथ में काटा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना के धाम मोहल्ला में एक बंदर ने 75 वर्षीय वृद्धा पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-6 में हुई, जहाँ वृद्धा अपने घर के बाहर बैठी थीं। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, धाम मोहल्ला निवासी उमा यादव (पति स्व. कृपाल सिंह यादव) अपने घर के बाहर बैठी थीं। तभी बंदरों के एक झुंड में से एक बंदर ने उन पर हमला कर दिया। बंदर ने उनके हाथ को बुरी तरह काटा, जिससे हाथ का मांस बाहर निकल आया। वृद्धा की चीख-पुकार सुनकर परिजन और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उमा यादव के पुत्र देवी सिंह यादव ने बताया कि इसी दौरान बंदर ने पास खेल रहे एक बच्चे पर भी हमला करने का प्रयास किया, जिससे बच्चे के हाथ में खरोंचें आई। घायल उमा यादव को तुरंत पन्ना जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से धाम मोहल्ला सहित पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना, सहमति से हटे 14 मकान

जिनके घर में शादी उन्हें प्रशासन ने दी राहत; एक घर वालों को भी दिया समय

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के विस्थापित ग्राम डुगरिया में केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत जमीन खाली कराने की प्रक्रिया के दौरान प्रशासन ने ग्रामीणों की सहमति से 14 मकानों को हटा दिया है। मुआवजा प्राप्त कर चुके 5 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से अपने मकान हटाने के लिए प्रशासन से बुलडोजर की मदद ली, जबकि 9 ऐसे मकान हटाए गए जिनके मालिकों के पास गांव में एक से अधिक घर थे या वे नई जगह शिफ्ट हो चुके थे। प्रशासन ने कार्रवाई में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि कोई बेघर न हो, इसलिए जिनके पास केवल एक घर था या जिनके घर में शादी प्रस्तावित है, उनके मकानों को फिलहाल नहीं हटाया गया है। 5 ग्रामीणों ने स्वेच्छा से मांगे बुलडोजर, 9 अन्य मकान भी हटे प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, पूरी कार्रवाई ग्रामीणों के सहयोग और सहमति के आधार पर की गई। गांव के 5 लोगों ने खुद आगे अ र अपना मकान हटाने का निर्णय लिया। इसके लिए प्रशासन ने उन्हें बुलडोजर उपलब्ध कराया। इसके अलावा 9 मकान उन लोगों के गिराए गए जिन्होंने मुआवजा लेने के बाद दूसरी जगह अपना निवास बना लिया था या फिर जिनके पास इसी गांव में रहने के लिए कोई दूसरा घर मौजूद था।

एक घर वालों और शादी वाले परिवारों को दी मोहलत: प्रशासन ने इस कार्रवाई में इस बात का विशेष ध्यान रखा कि कोई भी परिवार बेघर न हो। ऐसे परिवार जिनके पास गांव में सिर्फ एक ही घर है और उन्होंने अभी तक दूसरी जगह रहने की व्यवस्था नहीं की है, उनके मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके साथ ही जिन परिवारों में शादी या अन्य सामाजिक कार्यक्रम होने वाले हैं, उनके घरों को भी फिलहाल सुरक्षित रखा गया है।

परियोजना के लिए चरणबद्ध तरीके से खाली कराई जा रही जमीन: केन-बेतवा लिंक परियोजना देश की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए प्रभावित क्षेत्रों में मुआवजा वितरण और पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है। इसी के तहत चरणबद्ध तरीके से जमीन खाली कराई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है, इसलिए आगे भी पूरी प्रक्रिया संवाद, सहमति और संवेदनशीलता के साथ ही पूरी की जाएगी।

मंदसौर में 35 वर्षीय ट्रैक्टर चालक ने लगाई फांसी

नशे में विवाद के बाद पत्नी की साड़ी का फंदा बनाया परिजन ट्रॉली में लाए अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के नई आबादी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उदपुरा में सोमवार रात 35 वर्षीय ट्रैक्टर चालक विकास प्रताप (पिता बापूलाल मीणा) ने पत्नी की साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। शराब के नशे में घर में विवाद और तोड़फोड़ करने के बाद उसने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में ट्रैक्टर ट्रॉली में डालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वर्तमान में नई आबादी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नशे में घर पहुंचकर करता था विवाद और तोड़फोड़ परिजनों के अनुसार, मृतक विकास मीणा लंबे समय से शराब का आदी था। सोमवार रात भी वह शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा था। इसके बाद उसने घर में तोड़फोड़ करना और विवाद करना शुरू कर दिया। परिजनों ने बताया कि वह आए दिन इसी तरह शराब पीकर विवाद और तोड़फोड़ करता था।

पत्नी की साड़ी से बनाया फंदा, पंखे से लटका मिला शव: विवाद करने के कुछ देर बाद विकास ने कमरे में जाकर अपनी पत्नी की साड़ी से फंदा बनाया और छत के पंखे से लटक गया। जब परिजनों ने कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारा और तुरंत ट्रैक्टर की ट्रॉली में डालकर अस्पताल लेकर भागे। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच: घटना की सूचना मिलने पर नई आबादी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम किया। फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस परिजनों के बयानों और साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

सीहोर के जावर जंगल में लगी आग

सैकड़ों पेड़ चपेट में आए, दमकल की मदद से आग पर पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के जावर क्षेत्र में सोमवार देर रात जंगल में भीषण आग लग गई। इस आग की चपेट में सैकड़ों पेड़ आ गए। यह घटना जावर में सेल फैक्ट्री के पास स्थित जंगलों में हुई। स्थानीय निवासियों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और प्रशासन को दी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। उल्लेखनीय है कि जिले में तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही आगजनी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में जंगलों में आग लगने की कई वारदातें सामने आई हैं। इससे पहले बुधनी क्षेत्र के जंगल भी भीषण आग की चपेट में आ चुके हैं।

संघर्षरत एलएसजी के खिलाफ आरसीबी की निगाहें एक और शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन पर टिकी हैं

बेंगलुरु , एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अस्थिर लखनऊ सुपर जायंट्स को ध्वस्त करने और मध्य-तालिका की उलझन से बाहर निकलने के लिए अपनी खतरनाक बल्लेबाजी इकाई पर एक बार फिर से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए निर्भर रहेगी। रॉयल चैलेंजर्स फिलहाल छह अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं और चार अन्य टीमें चार-चार अंकों के साथ मौजूदा चैंपियन का पीछा कर रही हैं। बेंगलुरु की टीम शीर्ष पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स से दो अंक और पंजाब किंग्स से एक अंक पीछे है। लेकिन वास्तविकता में, आईपीएल के इस संस्करण में आरसीबी से ज्यादा किसी भी टीम ने गेंदबाजों के दिलों में डर नहीं पैदा किया है। राजस्थान की प्रतिष्ठा वैभव सूर्यवंशी के शानदार बल्ले के इर्द-गिर्द बनी है, जबकि पंजाब दिखावे से कहीं अधिक ठोस रहा है, जिसने सुनियोजित लक्ष्य साधकर अपनी विरासत का निर्माण किया है। लेकिन आरसीबी ने एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन किया है। वे एक शक्तिशाली बल्लेबाज की तरह खेल रहे हैं और यह उनके शीर्ष पांच बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट में साफ झलकता है। विराट कोहली (162), फिल साल्ट (178), रजत पाटीदार (214), टिम डेविड (221) और देवदत्त पडिक्कल (201) ने आईपीएल 2026 में सभी टीमों को कड़ी टक्कर दी है। इन पांचों बल्लेबाजों ने मिलकर चार मैचों में कुल 52 छक्के जड़े हैं, जो इस आईपीएल सीजन में किसी भी टीम द्वारा लगाए गए सबसे अधिक छक्के हैं, और उन्होंने रेंज-हिटिंग को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। नतीजतन, उन्होंने इस आईपीएल में अब तक कभी भी 200 से कम रन नहीं बनाए हैं - जो उनकी आकामक बल्लेबाजी की विचारधारा का सटीक प्रतिबिंब है।

क्या शमी एंड कंपनी अपने वादे पूरे कर पाएगी?

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी से युक्त एलएसजी का आकमण अब तक प्रभावशाली रहा है, जिसने विपक्षी टीम को काफी हद तक नियंत्रण में रखने का तरीका खोज निकाला है। शमी की 6.2 की इकॉनमी अब तक नियमित गेंदबाजों में लीग में सर्वश्रेष्ठ है, लेकिन इस तिकड़ी को बेंगलुरु की सपाट पिच पर आरसीबी के बल्लेबाजों के खिलाफ हर गेंद पर सटीक गेंदबाजी करनी होगी।

विस्डेन पुरस्कार: दीप्ति को महिला किकेटर और अभिषेक को टी20 किकेटर नामित किया

लंदन , एजेंसी। भारतीय किकेटरों ने विस्डेन अल्मनैक 2026 के पुरस्कारों में अपना दबदबा कायम किया, नौ में से सात पुरस्कार अपने नाम किए, जिसमें दीप्ति शर्मा और अभिषेक शर्मा कमशः महिला किकेटर ऑफ द ईयर और टी20 किकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के बाद अग्रणी भूमिका में रहे। शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को पिछले साल इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद विस्डेन के फाइव किकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया। भारत के अलावा अन्य देशों से जीतने वालों में ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क थे, जिन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरुष किकेटर नामित किया गया, और इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे, जिन्हें वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ किकेटरों में भी शामिल किया गया था। दीप्ति को यह सम्मान पिछले साल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में 22 विकेट लेकर शीर्ष विकेट लेने वाली खिलाड़ी के रूप में उभरने के बाद मिला। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। उन्होंने नौ मैचों में तीन अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे।

रियान पराग का कहना है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स कई तरह के कारकों के कारण हार गई

हैदराबाद , एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा कि उनकी टीम की इस सीजन की पहली आईपीएल हार कई कारणों के संयोजन से हुई, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनके आमतौर पर विस्फोटक बल्लेबाजों का गेंदों की गति को समझने में असमर्थ होना भी शामिल है। गेंदबाज़ी में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल सहित राजस्थान के विस्फोटक शीर्ष कम की सामूहिक विफलता देखने को मिली, जिसके चलते एसआरएच ने सोमवार को रॉयल्स को 57 रनों से करारी शिकस्त दी। मुझे लगता है कि यह सब चीजों का मिश्रण था। मुझे लगा कि जब गेंद हाथ से निकली और विकेट से टकराई तो उसकी गति को देखकर हम थोड़े हैरान रह गए थे, पराग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। ...मुझे लगता है वैभव को थोड़ी जल्दी की

उम्मीद थी, इसलिए गेंद थोड़ी चिपचिपी आई। ध्रुव के साथ भी ऐसा ही हुआ, गेंद अंदर की तरफ आई। जायसवाल, वह 10 में से 9 बार ऐसा शॉट मारता है और इस बार यह रुक गया। मुझे एक बहुत ही फुल बॉल मिली, मैं उसे हिट नहीं कर पाया। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम बदकिस्मत थे, लेकिन कई कारकों का मिश्रण था, इसलिए हम उन शॉट्स को सही से नहीं मार पाए, उन्होंने आगे कहा। पराग, जिन्होंने इस सीजन में आरआर की कप्तानी संभाली है, का मानना था कि अपेक्षित गुणवत्ता होने के बावजूद गेंदबाज प्रदर्शन में भी पीछे रह गए। शुरुआत में, मुझे लगता है कि हम ठीक थे, लेकिन फिर बीच के ओवरों में, उन्होंने निश्चित रूप से 30 रन प्रति ओवर बनाए। मुझे लगता है कि हम बेहतर विकल्प ढूंढ सकते थे, विकेट का थोड़ा और इस्तेमाल कर सकते थे, धीमी गेंदों का अधिक उपयोग कर सकते थे, शायद धीमी बाउंसर, वाइड यॉर्कर या जो भी हो। लेकिन मुझे लगता है कि सिर्फ प्रदर्शन में थोड़ी कमी रह गई, हमारे गेंदबाजों की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं थी। मुझे इस बात पर कभी कोई संदेह नहीं है, उन्होंने आगे कहा। पराग ने किशोर सनसनी सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की और युवा कलाकार के भविष्य को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया। दस साल बाद वह मेरी उम्र का हो जाएगा, इसलिए मुझे नहीं पता कि इतनी दूर की कल्पना कैसे की जाए, लेकिन अभी के लिए, मुझे उम्मीद है कि वह वास्तव में अच्छी मानसिक स्थिति में होगा।

(उन्हें) बस और अधिक मैच जीतने चाहिए, पिछले चार-पांच मैचों की तरह ही शानदार बल्लेबाजी करनी चाहिए, और हमें खिताब जिताना चाहिए और उम्मीद है कि वे बहुत जल्द भारत के लिए खेलेंगे।

प्रफुल हिंज की कहानी

पिता के दृढ़ विश्वास और मैकग्राथ कनेक्शन ने कैसे इस तेज गेंदबाज के करियर को आकार दिया

दिल्ली , एजेंसी। प्रकाश हिंगे एक गर्वित पिता हैं, लेकिन उनके भीतर एक पूर्व लेखाकार की झलक भी है, जो बेटे प्रफुल के मैच जिताने वाले आईपीएल डेब्यू का जश्न मनाते समय अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं।

दरअसल, हिंज परिवार को यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं।

हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उन्हें पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उनसे कभी नहीं पूछते कि वे खेल रहे हैं या नहीं। वे सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करते हैं और हम बस सामान्य बातचीत करते हैं जैसे खाना खाया?, प्रकाश ने पीटीआई को बताया।

कल जब आईपीएल का प्रसारण शुरू हुआ, तो हमने टीवी पर देखा कि वह अपना डेब्यू करेंगे। इसलिए हम खुश थे। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, खुशी बढ़ती ही गई। प्रफुल ने शानदार शुरुआती स्पेल में 2-0-6-4 के आंकड़े के साथ आरआर के फॉर्म में चल रहे शीर्ष कम को ध्वस्त कर दिया, जिससे एसआरएच को 57 रनों की बड़ी जीत मिली।

नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल की किकेट में रुचि को देखते हुए उसे स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था, जब वह लगभग 13 साल का था। मैं अपने मोहल्ले की गलियों में खेलता था। मेरे बेटे को इसमें रुचि थी, इसलिए मैंने उसे एक स्थानीय अकादमी में दाखिला दिला दिया। हाँ, मैंने उसे दोनों को संतुलित रखने के लिए कहा था, लेकिन साथ ही मैं उसे अपना रास्ता चुनने की स्वतंत्रता भी देना चाहता था, हिंज सीनियर ने बहुत ही सहज ढंग से कहा। एक बार जब प्रफुल विदर्भ की अंडर-16 टीम में शामिल हो गए, तो फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शानदार बल्लेबाजी का बेजोड़ प्रदर्शन:संजय बांगर ने आरआर के खिलाफ ईशान किशन की आकामक बल्लेबाजी की सराहना की

मुंबई , एजेंसी। पूर्व भारतीय किकेटर और पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन की आकामक बल्लेबाजी की सराहना की, जिसकी बदौलत टीम ने 20 ओवरों में 216/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया और अंततः 57 रनों से मैच जीत लिया। एसआरएच के पहले बल्लेबाजी करने पर, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के मैच की पहली ही गेंद पर आउट हो जाने के बाद ईशान किशन को तुरंत बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा। किशन ने मात्र 44 गेंदों में शानदार 91 रन बनाए, जिसमें आठ चौके

और छह छक्के शामिल थे, और एसआरएच को 216/6 के स्कोर तक पहुंचाने में उनकी मदद की।

स्टार स्पोर्ट्स पर बोलते हुए, जियोस्टार के विशेषज्ञ संजय बांगर ने ईशान किशन की आकामक पारी की प्रशंसा की और आरआर के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के खिलाफ उनके आत्मविश्वासपूर्ण फुटवर्क और संयम की सराहना की। ईशान ने अपनी पारी की शुरुआत में ही आर्चर के एक ओवर में 10 रन बनाए।

मेरे लिए परिणाम गौण है: एसआरएच द्वारा आईपीएल 2026 में आरआर के अपराजित कम को समाप्त करने के बाद रियान पराग का बयान

हैदराबाद , एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स (RR) के कप्तान रियान पराग ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीज़न में अपनी पहली हार के बाद कहा कि उनके लिए परिणाम गौण है। सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) ने ऋऋको 57 रनों से हराकर पराग की अगुवाई वाली टीम की चार मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया। एसआरएच के दो नवोदित खिलाड़ियों, प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए चार-चार विकेट लिए। 24 वर्षीय प्रफुल हिंगे और 21 वर्षीय साकिब हुसैन, जिन्हें एसआरएच ने घरेलू और भारतीय किकेट के अनुभवी खिलाड़ियों हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट की जगह खिलाया, ने कमशः 4 ओवर में 4/34 और 4 ओवर में 4/24 के आंकड़े दर्ज किए। रियान पराग ने कहा कि वह मैच के नतीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते, क्योंकि उनके लिए परिणाम गौण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हर मैच को सकारात्मक पहलुओं और सुधार के क्षेत्रों दोनों को ध्यान में रखकर देखते हैं। पराग ने आगे कहा कि हालांकि जीत और हार किकेट का हिस्सा हैं, लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य यथासंभव सटीक प्रदर्शन करना है। सच कहूँ तो, मैंने कभी मैचों के बारे में इस तरह नहीं सोचा। मेरे लिए परिणाम उतना मायने नहीं रखता। आज भी, मैं एक तरफ सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दूंगा और दूसरी तरफ नकारात्मक पहलुओं या उन चीजों पर जो हम बेहतर कर सकते थे, पर। मेरा यही नजरिया है। जीत हो या हार, ये खेल का एक हिस्सा है, लेकिन मैं जितना हो सके उतना सटीक प्रदर्शन करना चाहता हूँ, जो आज नहीं हो पाया।

मंगोलिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सेना की महिला मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया

चंडीगढ़ , एजेंसी। हाल ही में भारतीय सेना में शामिल हुई महिला मुक्केबाजों ने एशियाई एलीट बॉक्सिंग चैंपियनशिप - 2026 में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए दो स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता है। वे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली चार भारतीय महिलाओं में शामिल थीं। एकमात्र भारतीय पुरुष स्वर्ण पदक विजेता भी सेना से ही थे।

यह प्रतियोगिता मंगोलिया के उलानबातर में 28 मार्च से 10 अप्रैल तक आयोजित की गई थी, जिसमें 25 देशों के 230 मुक्केबाजों ने भाग लिया था। कुल मिलाकर, 20 सदस्यीय भारतीय टीम, जिसमें पुरुष और महिला मुक्केबाज शामिल थे, जिनमें नागरिक खिलाड़ी भी थे, ने दूसरा स्थान हासिल किया।

सेना की सभी महिला पदक विजेताएँ कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस

(सीएमपी) सेंटर एंड स्कूल, बेंगलुरु से थीं। सीएमपी सेना की एकमात्र शाखा है जिसने अग्निपथ योजना के तहत 2022 में भर्ती शुरू होने पर महिला कर्मियों को शामिल किया था। नायब सूबेदार प्रीति पवार और हवलदार अरुंधती चौधरी ने कमशः 54 किलोग्राम और 70 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नायब सूबेदार जैस्मीन लैंबोरिया ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। दरअसल, नायब सूबेदार जैस्मीन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप -2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली सेना की पहली महिला मुक्केबाज बनकर इतिहास रच दिया था। उन्हें जनवरी 2026 में उनके प्रदर्शन के लिए सेना पदक से सम्मानित किया गया था। वह मुक्केबाजों के परिवार से आती हैं और 2022 में सेना में शामिल हुईं।

हरियाणा के भिवानी की रहने वाली और पिछले साल सेना में शामिल हुई नायब सूबेदार प्रीति, भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर के रूप में सीधे भर्ती होने वाली पहली महिला एथलीट हैं और विश्व बॉक्सिंग कप में स्वर्ण पदक विजेता हैं। राजस्थान के कोटा की रहने वाली हवलदार अरुंधती 2022 में सेना में शामिल हुई थीं और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाज हैं, जो 2021 में जूनियर विश्व चैंपियन बनीं और एआईबीए युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, सेना में नूपुर शेओरान जैसी अन्य अंतरराष्ट्रीय महिला मुक्केबाज भी शामिल हैं, जिन्होंने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप में दो बार स्वर्ण पदक जीता है।

उत्तर प्रदेश के कप्तान केतन कुशवाहा ने 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खिताब जीतने के अपने अभियान पर विचार व्यक्त किए

राजगीर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश हॉकी टीम के कप्तान केतन कुशवाहा ने राजगीर में आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2026 में टीम के चैंपियन बनने पर खुशी व्यक्त की। फाइनल में टीम ने हॉकी मध्य प्रदेश को 5-2 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस परिणाम ने देश में जमीनी स्तर पर हॉकी के विकास के केंद्र के रूप में प्रांत की बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित किया।

केतन कुशवाहा ने शानदार नेतृत्व करते हुए मैच के महज चार मिनट के भीतर ही पहला गोल दागकर जीत की नींव रखी। इस जीत पर अपनी प्रतिकिया व्यक्त करते हुए केतन कुशवाहा ने कहा कि उनके शुरुआती गोल ने टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया और लय बनाए रखने में मदद की। मजबूत टीम वर्क ने लगातार दबाव बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई और अंततः चैंपियनशिप जीत दिलाई।

उन्होंने कहा, शुरुआती गोल करने से मुझे यह दृढ़ विश्वास हो गया कि हम अपनी लय बनाए रख सकते हैं और स्कोर में और इजाफा कर सकते हैं। हमने एक इकाई के रूप में मिलकर काम किया और दबाव बनाए रखते हुए अंततः चैंपियनशिप जीत ली।

उन्होंने आगे कहा, ड्रेसिंग रूम में हमें जो सहयोग मिला, वह अद्भुत था। हम लगातार एक-दूसरे से बात करते थे, अपनी गलतियों को पहचानते थे और मैदान पर उन्हें सुधारने के तरीकों पर चर्चा करते थे। यही खुला संवाद और आपसी विश्वास था जिसने हमें फाइनल जीतने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर प्रदेश हॉकी अध्यक्ष आरपी सिंह ने भी इस जीत की सराहना करते हुए इसे राज्य द्वारा युवा प्रतिभाओं को जमीनी स्तर से पोषित करने में किए जा रहे निरंतर निवेश का प्रमाण बताया।

16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतना न केवल उत्तर प्रदेश हॉकी के लिए बल्कि हर उस युवा लड़के के लिए बेहद गर्व का क्षण है जिसने इस सपने को साकार करने के लिए मैदान पर अनगिनत घंटे बिताए हैं। जब मैं अपने सफर पर नजर डालता हूं - 2014 में कांस्य पदक से लेकर आज की हमारी स्थिति तक - तो यह जमीनी स्तर पर एक वास्तविक हॉकी संस्कृति के निर्माण में किए गए व्यवस्थित और धैर्यपूर्ण प्रयासों को दर्शाता है, आरपी सिंह ने कहा।

यह स्वर्ण पदक संयोगवश नहीं मिला है। यह एक दूरदर्शी सोच का फल है-युवा खिलाड़ियों की पहचान करना और उन्हें शुरुआती दौर में ही प्रशिक्षित करना, उन्हें व्यवस्थित कोचिंग, उचित सुविधाएं और एक ऐसा प्रतिस्पर्धी माहौल प्रदान करना जो उन्हें हर साल निखारता रहे। हर साल, उत्तर प्रदेश से इन प्रमुख घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले लड़के पिछले वर्ष की तुलना में अधिक तैयार, अधिक आत्मविश्वासी और अधिक रणनीतिक रूप से जागरूक होते हैं। इसका श्रेय समर्पित प्रशिक्षकों को, इस माहौल को पोषित करने में अथक परिश्रम करने वाले रजनीश मिश्रा को और सबसे महत्वपूर्ण बात, स्वयं खिलाड़ियों को जाता है, जिन्होंने चरित्र और अनुशासन के साथ उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है, उन्होंने आगे कहा।

कोच्चि की कगिलना रेंजर्स ने कोयंबटूर में आयोजित रेड बुल फोर 2 स्कोर नेशनल चैंपियनशिप में अपना पहला खिताब जीता।

कोयंबटूर , एजेंसी। कोच्चि की टीम कलिना रेंजर्स ने रेड बुल फोर 2 स्कोर नेशनल फाइनल में जीत हासिल की, जिसका समापन फुटबॉल के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ, जहां देश भर के शौकिया खिलाड़ियों ने प्रतिष्ठित खिताब और वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर के लिए मुकाबला किया।

ऊर्जा से भरपूर 414 टूर्नामेंट अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरा, जिसमें ज़बरदस्त खेल देखने को मिला और जमीनी स्तर के फुटबॉलरों की अपार प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सिटी एफसी के स्टार और भारतीय राष्ट्रीय टीम के फॉरवर्ड विकम प्रताप सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कलिना रेंजर्स टीम ने टायसन पटेल के सडन-डेथ गोल्डन गोल की मदद से जीत हासिल की और अन्य सभी टीमों को हराकर जीत का गौरव प्राप्त किया और विश्व फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान, 10 शहरों की टीमों ने अपनी प्रतिभा, दृढ़ता और खेल के प्रति जुनून का प्रदर्शन किया। हफ्तों तक चले रोमांचक क्वालीफायर के बाद, कोयंबटूर में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने वर्चस्व की लड़ाई में एक-दूसरे का सामना किया।

विजयी टीम, कलिना रेंजर्स, अब एक और भी बड़ी यात्रा पर निकलेगी, कनाडा में होने वाले विश्व फाइनल की ओर, जहां वे इस साल के अंत में रेड बुल फोर 2 स्कोर विश्व फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, और रेड बुल फोर 2 स्कोर के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने की कोशिश करेंगे।

मुंबई की मूल निवासी कलिना रेंजर्स ने कोच्चि क्वालीफायर से अपने सफर की शुरुआत की, जहां उन्होंने फाइनल में दर्शकों की पसंदीदा टीम एमआरएफसी ए को हराकर उलटफेर किया। फाइनल में उन्होंने गोल्डन गोल के जरिए जीत दर्ज की। रेड बुल फोर 2 स्कोर 2025 के कोच्चि क्वालीफायर में कड़ी प्रतिस्पर्धा को मात देकर इंडिया फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली रेंजर्स टीम में केग डिसूजा, स्कॉट मोरेस, टायसन पटेल, क्लिंटन डिसूजा और फहीज मोहम्मद जैसे करीबी दोस्त शामिल हैं।

फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा क्योंकि दोनों टीमें स्कोर करने के लिए अथक प्रयास कर रही थीं। हालांकि, कोच्चि की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेड बुल फोर 2 स्कोर 2026 विश्व फाइनल में जगह पक्की कर ली।

रेड बुल फोर 2 स्कोर इंडिया फाइनल में देश की शीर्ष टीमों को हराकर मिली जीत से हम बेहद खुश हैं। कड़ी मेहनत के बाद हमने यह जीत हासिल की है। लेकिन अब हमारा ध्यान कनाडा में होने वाले विश्व फाइनल पर है। हम वहां सिर्फ भाग लेने नहीं, बल्कि जीतने के लिए जा रहे हैं, कलिना रेंजर्स के स्कॉट मोरेस ने कहा।

मैंने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत में खूब फुटसल खेला था। इस खेल में फुर्ती की जरूरत होती है। रेड बुल फोर 2 स्कोर युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच देता है। मैं कलिंगा रेंजर्स को उनके पहले रेड बुल फोर 2 स्कोर टूर्नामेंट जीतने पर बधाई देता हूं, रेड बुल एथलीट और भारतीय फुटबॉलर विकम प्रताप सिंह ने कहा।

रेड बुल फोर 2 स्कोर, रेड बुल की पावर फुटबॉल की विचारधारा को दर्शाता है और खिलाड़ियों को छोटे मैदान पर खेले जाने वाले 4 बनाम 4 फुटबॉल कौशल का प्रदर्शन करने की चुनौती देता है।

बाबा साहब के विचारों को जीवन में उतार कर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें : सांसद

जिले भर में धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर की 135वीं जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पूरे जिले में धूमधाम से मनाई गयी रैलियाँ निकाल कर तथा बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने उनका नमन किया गया जिला स्तरीय समारोह शासकीय कन्या महाविद्यालय रीवा में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने जीवन भर मानवीय गरिमा के लिए संघर्ष किया उन्होंने सामाजिक बुराईयों को दूर करने के लिए शिक्षा की ज्योति जलाई जब बाबा साहब का जन्म हुआ तब देश कई कुरीतियों और सामाजिक बुराईयों से ग्रस्त था।

बाबा साहब ने कठिन संघर्ष करके उच्च शिक्षा प्राप्त की उन्होंने विदेश जाकर डाक्टरेट की डिग्री ली बाबा साहब ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़चढ़ कर भाग लेते हुये अंग्रेजों से कड़ा संघर्ष किया अंग्रेजों की भारतवासियों के आर्थिक शोषण को उजागर करने के लिए बाबा साहब ने आर्थिक विश्लेषण प्रस्तुत किया बाबा साहब ने अपने विचारों और कार्यों से देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिदृश्य में बदलने का प्रयास किया सांसद ने कहा कि बाबा साहब के प्रयासों से ही संविधान को सही आकार मिला उनके विचार आज भी प्रासांगिक है बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में उतार कर आप सब प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें बाबा साहब के स्वच्छता के आदर्शों को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने समग्र स्वच्छता अभियान के माध्यम से मूर्तरूप दिया है यह मानवीय गरिमा के लिए बहुत बड़ा और सफल प्रयास है बाबा साहब ने महिलाओं की शिक्षा और संपत्ति में अधिकार के लिए भी संघर्ष किया नई पीढ़ी बाबा साहब के विचारों से प्रेरणा ले और नशामुक्त भारत अभियान योगदान दे तभी बाबा साहब का सपना साकार होगा समारोह में विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के ज्ञान के प्रकाश से पीढ़ियाँ आलोकित हैं मानव के विकास का आधार शिक्षा है बाबा साहब ने कठिन संघर्ष करके कोलंविया विश्व विद्यालय से कानून में डाक्टरेट की डिग्री प्राप्त की बाबा साहब ने देश के संविधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया उनके प्रयासों से महिलाओं और वंचित वर्ग को कई अधिकार मिले भारत रत्न बाबा साहब किसी एक वर्ग या जाति के नहीं बल्कि पूरे देश के रत्न हैं जहां सूरज की रोशनी भी नहीं पहुंच पाती वहां भी बाबा साहब के विचारों की रोशनी है समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष मती नीता कोल ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर की 135वीं जयंती हम सब के लिए ऐतिहासिक दिन है उनका जीवन महामानव जैसा है बाबा साहब ने संविधान देकर गरीब और वंचितों को जीने की राह दिखाई बाबा साहब के लिए संविधान से गरीबों को और देश को विकास का मौका मिला।

रीवा नगर निगम में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम रीवा के टाउन हॉल में भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों को याद किया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया समारोह में सामाजिक समरसता, समानता और शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया गया इस अवसर पर उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर भारत के संविधान के रचयिता थे और उनके द्वारा निर्मित संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया और उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा प्रदान कर रहे हैं उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह शिक्षित बने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे यही बाबा साहेब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता और न्याय की स्थापना संभव है।

सियाचिन दिवस पर दिव्यगवा कॉलेज में व्याख्यान माला, डाक्यूमेंट्री से छात्रों को मिला कैरियर मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा तहसील अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा महाविद्यालय दिव्यगवा में सियाचिन दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना के तहत व्याख्यान माला एवं डाक्यूमेंट्री फिल्म का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सियाचिन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुनीता बघेलें सहित डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार पाठक, डॉ. किरण साकेत, डॉ. हर्ष राज शुक्ला, डॉ. राघवेश सिंह राठौर, डॉ. बी. पी. सिंह एवं कार्यक्रम प्रभारी टीपीओ डॉ.

अरुणेंद्र कुमार पाण्डेय ने छात्रों को सियाचिन में तैनात भारतीय सैनिकों के साहस, त्याग और कठिन परिस्थितियों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उन्होंने सियाचिन से जुड़ी छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया वक्ताओं ने कहा कि सियाचिन के वीर सैनिकों से हमें अनुशासन, परिश्रम और समर्पण की भावना सीखनी चाहिए, जो जीवन में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं उन्होंने छात्रों को समय के महत्व को समझाते हुए सही कैरियर योजना बनाने की सलाह दी और बताया कि उचित मार्गदर्शन एवं लक्ष्य निर्धारण ही सफलता की कुंजी है कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने सियाचिन से जुड़े कई प्रश्न पूछे। मार्गदर्शकों ने सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया जिससे छात्रों में उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली अंततः डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार पाठक ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की यह आयोजन छात्रों के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को दिया जाएगा तीन-तीन दिवसीय प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में जनगणना का पहला चरण एक मई से 30 मई तक चलेगा इस चरण में मकान सूचीकरण कार्य संपादित कराने के लिए फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों (रिजर्व सहित) को तीन दिवसीय प्रशिक्षण संबंधित तहसील और नगरीय चार्जों में दिया जाएगा कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संजय कुमार जैन ने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को 15 अप्रैल से शुरू होने वाले प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार मऊगंज तहसील चार्ज में 188 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा प्रशिक्षणार्थियों के चार बैच बनाए गए हैं इनमें से दो बैच को 15 से 17 अप्रैल तक और दो अन्य बैच को 18, 21 और 22 अप्रैल को प्रशिक्षण दिया जाएगा इसी प्रकार मऊगंज नगरीय चार्ज में 52 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा इसके लिए दो बैच बनाए गए हैं दोनों बैच को 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जाएगा देवतालाब तहसील चार्ज में 219 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए पाँच बैच बनाए गए हैं। इनमें से दो बैच को 15 से 17 अप्रैल तक, दो अन्य बैच को 18, 21 और 22 अप्रैल को तथा एक अन्य बैच को 23 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जाएगा हनुमना तहसील चार्ज में 497 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल : अस्पतालों में रेबीज वैक्सीन नदारद, मरीज निजी दुकानों पर निर्भर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत चिंताजनक स्थिति में नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में ही अस्पतालों में दवाओं की भारी कमी सामने आई है। खासकर रेबीज (एंटी-रेबीज) वैक्सीन के अभाव ने आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है जिससे मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर्स का सहारा लेना पड़ रहा है क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि बीते कई दिनों से शासकीय अस्पतालों में रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है कुत्ते के काटने जैसे गंभीर मामलों में मरीजों को मजबूरी में बाजार से लगभग 400 रुपये में वैक्सीन खरीदनी पड़ रही है स्थिति इतनी

खराब है कि एक वैक्सीन को चार मरीजों में बांटकर लगाया जा रहा है जो स्वास्थ्य मानकों पर सवाल खड़े करता है स्थानीय लोगों और मरीजों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पतालों में न तो पर्याप्त दवाएं हैं और न ही साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था वार्डों में बेडशीट तक उपलब्ध नहीं हैं जिससे मरीजों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में गंदगी और अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है जो स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को दर्शाता है युवा नेता प्रकाश तिवारी ने भी इस मुद्दे पर प्रशासन और सरकार को घेरते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई और व्यवस्थाएं नहीं सुधारी गईं, तो उग्र जन-आंदोलन किया जाएगा इस पूरे मामले ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस समस्या का समाधान कब तक करता है और आम जनता को राहत मिल पाती है या नहीं।

नईगढ़ी जनपद में 'लवी ट्रैवल्स' भुगतान पर सवाल, दस्तावेजों में गड़बड़ियों से बढ़ा भ्रष्टाचार का संदेह

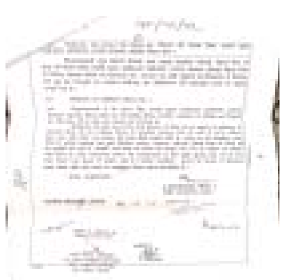

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले की जनपद पंचायत नईगढ़ी एक बार फिर कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में है 'लवी ट्रैवल्स' के नाम से किए गए भुगतान और उससे जुड़े दस्तावेजों में सामने आई विसंगतियों ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है शिकायतकर्ता कुंज बिहारी तिवारी ने आरोप लगाया है कि यह मामला सामान्य त्रुटि नहीं बल्कि सुनियोजित कूटरचना और सरकारी धन के दुरुपयोग का प्रतीत होता है उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार 'लवी ट्रैवल्स' के बिलों में दर्ज मोबाइल नंबर 8966985717 है, जो ग्राम पंचायत कोट से जुड़े एक व्यक्ति-सुनील कुमार मिश्रा-के नाम पर भी अंकित पाया गया इससे यह सवाल उठ रहा है कि यदि यह वास्तविक व्यावसायिक भुगतान था तो पंचायत से जुड़े व्यक्ति का मोबाइल नंबर बिलों में क्यों दर्ज हुआ मामले का एक और चौंकाने वाला पहलू समग्र आईडी से जुड़ा है, जिसमें 'लवी मिश्रा' की जन्मतिथि 01 जनवरी 2012 दर्ज है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जिन बिलों पर 'लवी' के हस्ताक्षर दर्शाए गए हैं, वे उसी नाम से मेल खाते हैं। ऐसे में यह गंभीर प्रश्न खड़ा होता है कि एक नाबालिग बच्ची किसी ट्रैवल एजेंसी की संचालक कैसे हो सकती है फाइल में जनपद पंचायत के भुगतान रिकॉर्ड भी संलग्न हैं जिनमें डीजल और ट्रैवल्स मद में विभिन्न तिथियों पर भुगतान दर्ज है इन अभिलेखों के आधार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि नियमित रूप से संदिग्ध भुगतान किए गए वहीं प्रारंभिक टिप्पणी में शिकायत को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज करने की बात दर्ज होने के बावजूद फाइल में मौजूद दस्तावेज इस निष्कर्ष पर सवाल खड़े करते हैं शिकायतकर्ता ने चेतावनी दी है कि यदि स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे न्यायालय का रुख करेंगे अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में पारदर्शी जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करता है या नहीं।

अम्बेडकर जयंती पर एमसीयू में वैचारिक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संगीता द्विवेदी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष ज्ञान और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना और उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं कार्यक्रम के अध्यक्ष अमर बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि अंबेडकर जी ने संविधान के माध्यम से

समानता और अधिकारों की मजबूत नींव रखी, जिसे सुदृढ़ बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ला ने उन्हें युगद्रष्टा कहकर अपने उद्बोधन की शुरुआत कर आगे कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर संपूर्ण राष्ट्र के नेता थे उनका दृष्टिकोण समग्र समाज के उत्थान पर केंद्रित था हमे उनके वैश्विक और विस्तृत दृष्टिकोण को आत्मसात करना चाहिए। संगोष्ठी में अन्य वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, विचार और योगदान के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे कार्यक्रम का संचालन धीरेन्द्र मिश्रा ने किया इस दौरान, विश्वविद्यालय के डॉ. नवीन तिवारी, डॉ. बृजेश पाण्डेय, सौरभ मिश्रा, आरती श्रीवास्तव, अमिता त्रिपाठी, डॉ. नीति मिश्रा, कनिष्क तिवारी, अमिता त्रिपाठी, धीरेन्द्र मिश्रा, सुनील पाण्डेय, सहित समस्त शिक्षक अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट के विस्तार में शामिल जमीनों की खरीद, बिक्री, डायवर्सन और नामांतरण पर रोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा एयरपोर्ट के विस्तार का मास्टर प्लान मंजूर करते हुए सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। एयरपोर्ट के विस्तार के लिए ग्राम उमरी और चोरहटा की 140 एकड़ जमीन चिन्हित की गयी है इस जमीन की खरीद विक्री, डायवर्सन और नामांतरण पर एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी ने प्रतिबंध के आदेश दिए है इस संबंध में एसडीएम डॉ. तिवारी ने बताया कि रीवा एयरपोर्ट के विस्तार के प्रस्ताव को भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा मंजूर कर लिया गया है इसके सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है सर्वेक्षण शुरू होने के बाद ग्राम उमरी और चोरहटा की जमीनों की खरीद विक्री, डायवर्सन और नामांतरण पर रोक लगाई गयी है।

जिला जनगणना अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का किया गया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर पीके पांडेय द्वारा जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रगणकों के प्रशिक्षण हेतु की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया इस दौरान उन्होंने जनपद हनुमना स्थित एक्सीलेंस स्कूल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान चार्ज अधिकारी हनुमना शिवम गौतम भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने प्रशिक्षण कक्षों बैठक व्यवस्था प्रकाश पेयजल स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्य पूरी गंभीरता एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए, ताकि प्रगणकों को जनगणना कार्य की समुचित जानकारी प्राप्त हो सके। पाण्डेय ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रगणकों की भूमिका अहम होती है अतः प्रशिक्षण के दौरान सभी आवश्यक बिंदुओं को विस्तारपूर्वक समझाया जाए तथा प्रायोगिक जानकारी भी प्रदान की जाए जिससे फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की कठिनाई न हो अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण स्थल पर समय-पालन का विशेष ध्यान रखा जाए तथा उपस्थित प्रगणकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए उन्होंने तहसीलदार हनुमना को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम की सतत मॉनिटरिंग की जाए एवं किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशिक्षण में भाग ले रहे प्रगणक उपस्थित रहे।

हनुमना में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की 135वीं जयंती, समान अधिकार और शिक्षा से ही संभव है सामाजिक उत्थान : प्रदीप पटेल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। भारतीय संविधान के शिल्पी और 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम हनुमना के सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद वंदे मातरम गीत का गायन किया गया समारोह के मुख्य मुख्य अतिथि विधायक पटेल ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि बाबा साहब का स्पष्ट मत था कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अधिकार प्राप्त हो

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने 'हिंदू कोड बिल' के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति और शिक्षा का अधिकार दिलाने में पुरजोर पैरवी की थी विधायक पटेल ने कहा कि बाबा साहब का कहना था कि यदि जीवन में सफल होना है, तो शिक्षा को ही सबसे बड़ा हथियार बनाना होगा। शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक और व्यक्तिगत उत्थान संभव है आगामी संसदीय गतिविधियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल से देश की संसद में 'नारी शक्ति वंदन' के पूर्ण क्रियान्वयन को लेकर ऐतिहासिक चर्चा होने जा रही है। यह एक विधायी प्रक्रिया नहीं लोकतंत्र को अधिक समावेशी और सशक्त बनाने का एक 'महायज्ञ' है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध करने में देश की नारी शक्ति का योगदान अद्वितीय है। आज भारत की बेटियां अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर खेल के मैदान तक अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं, जो बाबा साहब के महिला सशक्तिकरण के स्वप्न को साकार कर रहा है उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया और दलितों, पिछड़ों व महिलाओं के अधिकारों की वकालत की। उन्होंने भारत को एक ऐसा संविधान दिया जो जाति, धर्म और लिंग के आधार पर भेदभाव को समाप्त कर समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की स्थापना करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास (जूनियर) मऊगंज ,सामूहिक नृत्य अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास देवतालाब, अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम पिपराही की प्रस्तुति दी गई इस दौरान पीएम आवास के स्वीकृति पत्र हितग्राहियों को हित लाभ वितरण किया गया महिला बाल विकास द्वारा विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को प्रशस्ति पत्र दिया गया इसी प्रकार जनपद हनुमान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वालों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर पीके पांडेय, डिप्टी कलेक्टर पवन गौरैया ,सीईओ जनपद पंचायत हनुमना सुरभि श्रीवास्तव,महाविद्यालय के प्राचार्य, जिला संयोजक नीलकांत सिंह मरकाम अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।